राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,०४मई२०२१ वर्ष-४, अंक -१०० पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने रेमडेसिविर के 1.25 लाख वायल भेजे, जर्मनी से आए 4 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकर

नई दिल्ली। कोरोना से कराह रहे भारत की मदद के लिए अमेरिका लगातार मदद भेजने में जुटा है। अमेरिका से 1.25 लाख रेमडेसिविर के इंजेक्शन लेकर एक विमान पहुंचा। चिकित्सा सामग्री लेकर अब तक चार उड़ानें भारत आ चुकी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस मदद के लिए अमेरिका का आभार जताया है। दो दिनों के अंतराल में भारत आने वाला यह तीसरा विमान है। इससे हमारी आक्सीजन क्षमता में वृद्धि होगी। इस मदद के लिए हम अमेरिका के आभारी हैं। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के सी-17 एयरक्राफ्ट ने 4 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकर जर्मनी से एयरलिफ्ट कर हिंडन एयरबेस पर पहुंचाया। इसके अलावा 450 ऑक्सीजन सिलेंडर भी ब्रिटेन से एयरलिफ्ट कर चेन्नई एयरबेस पर पहुंचाया गया। भारतीय वायुसेना ने इस बात की जानकारी दी। बताते चलें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इससे पहले कह चुके हैं कि कोरोना महामारी से मुकाबले में भारत की मदद करने के लिए अमेरिका प्रतिबद्ध है। अमेरिका भारत की मदद के लिए आक्सीजन सिलिंडर, एन95 मास्क, रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट और अन्य चिकित्सा सामग्री भेज रहा है। अमेरिका ने भारत को एस्ट्राजेनेका वैक्सीन देने की भी पेशकश की है। इसके साथ ही भारत में कोरोना के कारण खराब होती स्थिति को देखते हुए अमेरिका ने तीन और विमान से चिकित्सा सामग्री भेजने का एलान किया है। शनिवार की रात अमेरिका से एक विमान एक हजार आक्सीजन सिलेंडर व रेगुलेटर लेकर आया था। इससे पहले भी दो विमानों के जरिये दवाएं और अन्य उपकरण भारत आ चुके हैं। उधर, फ्रांस ने भी रविवार को कोरोना के इलाज में काम आने वाले कई उपकरण और साजोसामान भेजा है। भारत को फ्रांस से जो सामग्री मिली उसमें आठ आक्सीजन जनरेटर, 28 वेंटीलेटर, 200 इलेक्ट्रिक पंप और फिल्टर वगैरह हैं।

कोरोना की टेस्टिंग में नया खुलासा

एमपी में वायरस के 5 नए वैरिएंट एक्टिव; यह एंटीबॉडी को कमजोर कर रहे, इसलिए लोग दोबारा संक्रमित हो रहे

इंदौर। इंदौर सहित मध्यप्रदेश में कोविड-19 वायरस के पांच नए म्यूटेशन एक्टिव हैं, जो तेजी से संक्रमण फैला रहे हैं। नए स्ट्रेन का पता लगाने के लिए फरवरी में 204 सैंपल नई दिल्ली भेजे गए थे। इन्हीं की जांच में पता लगा है कि यूके और साउथ अफ्रीका के वैरिएंट इंदौर के मरीजों में भी मिले हैं। नए स्ट्रेन ना केवल संक्रमण की दर बढ़ा रहे हैं, बल्कि एंटीबॉडी पर भी असर डालने की क्षमता रखते हैं।

नए वैरिएंट को लेकर यह रिपोर्ट दो महीने पहले आ चुकी है, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार ने इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया है। पहले यही कहा गया कि यूके का स्ट्रेन इंदौर में मिला है और यह इतना घातक नहीं है। जो अब गलत साबित हुई है। नए वैरिएंट प्रतिरोधक क्षमता को नुकसान पहुंचा रहे हैं, इस वजह से लोग छह से आठ महीने में दोबारा संक्रमित हो रहे हैं। टीके लगने के बाद भी वायरस से बच नहीं पा रहे। इंदौर में लंबे समय से संक्रमण दर 18 प्रतिशत से ज्यादा बनी हुई है।

अफसर नहीं बता रहे- कितने वैरिएंट मिले

अधिकारी मान चुके हैं कि म्यूटेशन हुआ है, लेकिन यह नहीं बता रहे हैं कि कितने वैरिएंट मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक 5 स्ट्रेन हैं, जो संक्रमण बढ़ा रहे हैं। नोडल अधिकारी डॉ. अमित मालाकार कहते हैं कि अभी तक हमें रिपोर्ट्स नहीं मिली है, लेकिन यूके वेरिएंट के मरीज मिले हैं। स्वरूकॉलेज के डीन डॉ. संजय दीक्षित मानते हैं कि वायरस का म्यूटेशन हुआ है।

खून के थक्के जमा रहा वायरस, उन्न लोगों को हार्ट प्रॉब्लम

भर्ती हुए मरीज को देखकर कई बार लगता है कि उसमें सुधार है, लेकिन फिर अचानक उसे हार्ट में प्रॉब्लम होने लगती है। डॉक्टरों के अनुसार वायरस का जहर शरीर में खून के थक्के जमा रहा है। इस वजह से हर 100 में से 3-4 मरीजों में यह समस्या देखी जा रही है। कुछ जांचों के बाद उन्हें खून पतला करने की दवा भी दी जाती है। घर जाने के 3-4 महीने तक यह दवा लेना पड़ती है। चोइथराम के चेस्ट फिजिशियन डॉ. गौरव गुप्ता बताते हैं कि मेडिकल भाषा में इसे थ्रम्बोसिस कहते हैं।

मध्यप्रदेश में अब नए केस से ज्यादा मरीज ठीक हो रहे

राज्य में रविवार को 12,662 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 13,890 लोग ठीक हुए और 94 की मौत हो गई। अब तक 5 लाख 88 हजार 368 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 4 लाख 95 हजार 367 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 5,812 लोगों की मौत हो चुकी है। 87,189 मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है।

प्रतिरक्षा पर हमला-इंदौर के मरीजों में मिले यूके-साउथ अफ्रीका के वैरिएंट

N501Y- यह 10 से 20 गुना अधिक तेजी से संक्रमण फैलाता है। शरीर में जो एंटीबॉडी बनी होती है, उसे कमजोर करने की कोशिश करता है।

L452R- यह संक्रमण का फैलाव बढ़ा देता है। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनने से रोकता है। इसकी वजह से कमजोरी महसूस होती है।

E484K/Q- इसे स्कैप म्यूटेशन भी कहते हैं। यह प्रतिरोधकता को कमजोर करता है। शरीर में एंटीबॉडी बने रहने की अवधि को भी प्रभावित करता है।

N440K- यह भी प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करते हुए उसे कम करता है। वायरस शरीर की नेचरल इम्युनिटी को नुकसान पहुंचाता है।

S477N- वायरस इंसानी कोशिकाओं में ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। नया म्यूटेशन वायरस और कोशिकाओं के जोड़ को ज्यादा मजबूत करता है।

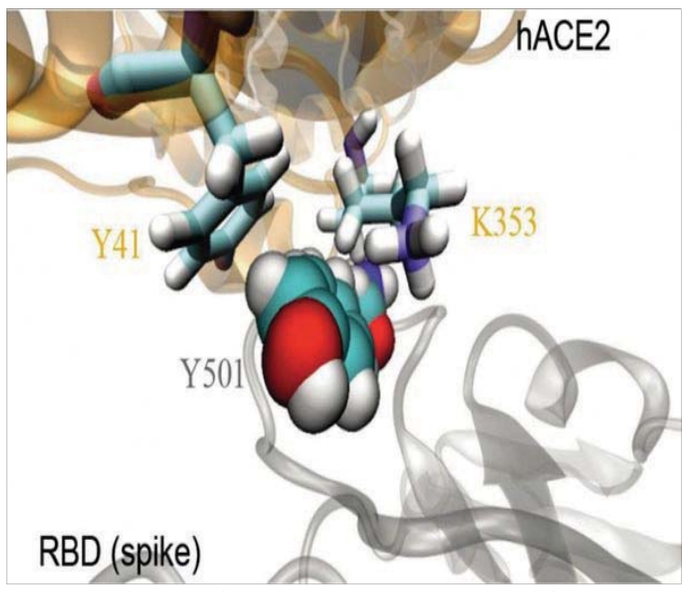

पंजाब एंट्री पर दिखानी होगी कोरोना निगेटिव रिपोर्ट या टीकाकरण सर्टिफिकेट

सरकार ने जारी कीं नई गाइडलाइन्स

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने पूरे देश में तबाही मचा दी है। वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पंजाब सरकार ने राज्य में कर्फ्यू को सख्त करने का फैसला किया है। कोरोना वायरस को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं जिनके तहत राज्य में कोई बिना कोरोना निगेटिव रिपोर्ट के प्रवेश नहीं कर सकता है। अगर आप हवाई, रेल से या सड़क के रास्ते पंजाब आ रहें हो तो आपको या तो कोरोना निगेटिव रिपोर्ट या फिर टीकाकरण सर्टिफिकेट दिखाना होगा। आपको बता दें कि निगेटिव रिपोर्ट 72 घंटे के भीतर की होनी चाहिए।

पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार ने इसके अलावा सभी गैर-जरूरी सामान की दुकाने भी बंद रखने का फैसला किया है।

इसके अलावा नाइट कर्फ्यू शाम 6 बजे से सुबह 5 बजे तक के लिए रहेगा और वीकेंड कर्फ्यू शुक्रवार शाम से सोमवार सुबह तक के लिए लगाया जाएगा। पंजबा सरकार ने आदेश में कहा गया है कि सड़क पर सामान बेचने वालों को भी आरटी-पीसीआर कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। सभी सरकारी दफ्तर और बैंक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम करेंगे। किसी भी चार पहिया वाहन में दो से ज्यादा लोगों के बैठने की अनुमति नहीं होगी।

किसी भी पब्लिक गैदरिंग में 10 से ज्यादा लोगों के शामिल होने की अनुमित नहीं है, चाहे वह शादी, अंतिम संस्कार ही क्यों न हो। फल और सब्जियों के बाजार में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखना अनिवार्य।

कोरोना से पटना में भयावह हालात

कोविड-19 जांच कराने वाले हर पांच में से एक मिल रहा संक्रमित

पटना। बिहार की राजधानी पटना में जांच कराने वाले हर पांच में एक व्यक्ति संक्रमित मिल रहा है। यह संक्रमण लोगों की बढ़ती गतिविधियों व लापरवाही के कारण हुआ है। खासकर अप्रैल में संक्रमण की रफ्तार काफी तेज रही। पटना में कराए जा रहे कोरोना जांच सर्वेक्षण में यह अहम बात सामने आई है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी संक्रमण शहर की तुलना में काफी कम है। पटना जिले में प्रतिदिन औसतन 15 हजार लोगों की जांच कराई जा रही है। इसमें औसतन तीन हजार लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। संक्रमण की रफ्तार अप्रैल के दूसरे सप्ताह से काफी तेज हो गई, जो अब भी जारी है। कोरोना के नोडल अधिकारी प्रवीण कुंदन का कहना है कि पटना के सभी जांच केंद्रों के अलावा पीएमसीएच , एनएमसीएच, पटना एम्स एवं प्राइवेट लैब में औसतन 15 हजार लोगों की जांच की जा रही है। इसमें हर पांचवां व्यक्ति संक्रमित पाया जा रहा है।

16 लाख से अधिक सैंपल संकलित

पटना जिले में अब तक 16 लाख 97 हजार 129 लोगों का सैंपल कोरोना जांच के लिए संग्रहित किया गया है। इसमें एक लाख 6 हजार 784 लोगों में बीमारी की पुष्टि हुई। इनमें 88 हजार 877 लोग अस्पतालों से उपचार करने के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं। वर्तमान में पटना जिले में 17 हजार 590 कोरोना के सक्रिय मरीज हैं। पटना जिले में कोरोना से 316 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रत्येक दिन डेढ़ सौ मरीज आते हैं भर्ती होने के लिए

पटना के सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में प्रतिदिन लगभग डेढ़ सौ मरीज भर्ती होने के लिए आ रहे हैं, लेकिन इस अनुपात में अस्पतालों में बेड उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में प्रतिदिन 50 से 55 बेड ही मरीजों के डिस्चार्ज होने के बाद खाली हो पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसीलिए लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराने को लेकर जद्दोजहद करनी पड़ रही है। अप्रैल में जहां कोरोना कंट्रोल रूम में करीब 100 फोन आते थे। अब यह संख्या बढ़कर 300 से 400 के बीच में हो गई है। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में तैनात मजिस्ट्रेट भी मरीजों को भर्ती कराने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं।

विपक्षी दलों की मोदी सरकार से अपील

देश में बड़े पैमाने पर चले मुफ्त टीकाकरण अभियान

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग लगातार जारी है। देश में टीकाकरण अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एक मई से देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। हालांकि कई राज्यों में टीके की कमी के कारण से यह अभियान शुरू नहीं हो सका है। आपको बता दें कि इस अभियान में प्राइवेट अस्पतालों को भी वैक्सीन खरीदने की इजाजत दी गई है। डोज के दाम भी तय कर दिए गए हैं। अब केंद्र सरकार से विपक्षी दलों ने देश में बड़े पैमाने पर मुफ्त टीकाकरण अभियान चलाने की अपील की है। इसके लिए 13 विपक्षी दलों ने एक संयुक्त बयान जारी किया है। आपको बता दें कि यह बयान दो तारीख को जारी किया गया है। बयान में कहा गया है, 'कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट के बीच हम केंद्र सरकार से देश के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्बाध ऑक्सीजन सप्लाई की केंद्र सरकार से अपील करते हैं। इसके साथ ही हम देश में बड़े पैमाने पर मुफ्त टीकाकरण अभियान चलाने की भी अपील करते हैं। इसके लिए 35 हजार करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था की जाए।' यह संयुक्त बयान कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा, एनसीपी चीफ शरद पवार, शिवसेना चीफ और महाराष्ट्र सीएम उद्धव ठाकरे, टीएमसी सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, फारुख अब्दुल्ला, डी राजा, एमके स्टालिन, अखिलेश यादव और सीताराम येचुरी द्वारा जारी किया गया है।

कोविड-19: ऑक्सीजन उत्पादन करने वाली कंपनियों के नजदीक बनेगा 10000 बिस्तरों वाले अस्पताल

नई दिल्ली। देश में ऑक्सीजन की आपूर्ति की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ऑक्सीजन उत्पादन करने वाली कंपनियों के निकट अस्थायी अस्पताल बनाकर कम समय में 10000 ऑक्सीजन युक्त बिस्तर उपलब्ध कराने की उम्मीद कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कई बैठकें कर देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों से उत्पन्न ताजा स्थिति की समीक्षा की और उसके बाद सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उन्होंने नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने के काम की प्रगति का भी जायजा लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच चिकित्सा ऑक्सीजन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ऑक्सीजन उत्पादन के लिए मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन संयंत्रों में बदलने की व्यवहार्यता का पता लगाया है। बयान में कहा गया, ऐसे विभिन्न संभावित उद्योगों की पहचान की गई है जिनमें मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित किया जा सकता है और चिकित्सा के काम में इसका उपयोग हो सकता है। इस समीक्षा बैठक में मौजूदा प्रेशर स्विंग एड्सॉर्प्शन (पीएसए) नाइट्रोजन संयंत्रों को ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। बता दें कि नाइट्रोजन संयंत्रों में कार्बन मॉलिक्यूलर सीव (सीएमएस) का उपयोग किया जाता है जबकि ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए ज़ियोलाइट मॉलीक्युलर सीव (ज़ेडएमएस) की आवश्यकता होती है। बयान में कहा गया कि इसलिए सीएमएस को ज़ेडएमएस के साथ बदलकर और कुछ अन्य परिवर्तनों जैसे ऑक्सीजन एनालाइज़र, कंट्रोल पैनल प्रणाली, प्रवाह वाल्व आदि के साथ मौजूदा नाइट्रोजन संयंत्रों में ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए परिवर्तित किया जा सकता है। पीएमओ ने कहा कि उद्योगों के साथ विचार-विमर्श के बाद अब तक 14 उद्योगों की पहचान की गई है, जहां नाइट्रोजन संयंत्रों के रूपांतरण का काम प्रगति पर है और इसके अलावा, उद्योग संघों की मदद से 37 नाइट्रोजन संयंत्रों की इस कार्य के लिए पहचान की गई है। बयान में कहा गया कि ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए संशोधित नाइट्रोजन संयंत्र को या तो पास के अस्पताल में स्थानांतरित किया जा सकता है और अगर इस संयंत्र को स्थानांतरित करना संभव नहीं है, तो इसका उपयोग ऑक्सीजन के ऑन-साइट उत्पादन के लिए किया जा सकता है,

बंगाल से लेकर पुडुचेरी तक कांग्रेस की डूबी लुटिया

नई दिल्ली। देश की सत्ता पर वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी का पश्चिम बंगाल से लेकर पुडुचेरी तक काफी खराब प्रदर्शन रहा है। इसके बावजूद पार्टी दूसरों की हार-जीत पर ही खुशी का इजाहर कर रही है। बंगाल में जहां ममता की आंधी में बीजेपी का सरकार बनाने का सपना धरा का धरा रहा गया वहीं, कांग्रेस पार्टी ने सबसे खराब प्रदर्शन किया है। इसके अलावा केरल, असम और पुडुचेरी में भी कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है।

ममता की आंधी में उड़ गई कांग्रेस

बंगाल में सबसे बड़ा झटका वामपंथी दलों और कांग्रेस के गठबंधन को लगा है जिसका खाता तक नहीं खुल सका है। राज्य में तीन दशक तक निर्बाध शासन करने वाले वामपंथी दल और दो दशक तक लगातार शासन करने वाली कांग्रेस पहली बार विधानसभा से बाहर होगी। वामपंथी दल और कांग्रेस के गठबंधन का भरभरा कर गिर जाना तृणमूल कांग्रेस के लिए बेहद फायदेमंद हुआ। उसने बड़े आराम से 200 पार का आंकड़ा हासिल किया, जबकि भाजपा तीन अंकों (सौ और आगे) तक भी नहीं पहुंच सकी। कांग्रेस पार्टी एक भी सीट पर जीत दर्ज कर पाने में असफल रही।

राहुल ने झोंकी ताकत, फिर भी केरल में नुकसान-2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने केरल की वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया। यहां से उन्हें बंपर जीत भी मिली थी। इसके बाद वह लगातार केरल का दौरा करते रहे। इस विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी थी। उन्होंने सबसे ज्यादा समय केरल में ही बिताया था। हालांकि राहुल ने जिस हिसाब से केरल में अपनी ताकत झोंकी, उस हिसाब से पार्टी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। 56 विधायकों वाली कांग्रेस चुनाव नतीजे में सिर्फ 40 सीट जीतने में सफल रही।

भाजपा की हार पर मना रही खुशी

राहुल-प्रियंका की जोड़ी भी नहीं दिला सकी असम में जीत-असम में चुनाव खत्म होते ही कांग्रेस ने अपने सभी उम्मीदवारों को दूसरे राज्यों में शिफ्ट कर दिया था। उन्होंने एक समय लगा था कि वह सत्ता के नजदीक पहुंच सकती है। हालांकि परिणाम कुछ और रहे। असम चुनाव में राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंक गांधी ने काफी चुनाव प्रचार किए। उन्होंने मतदाताओं को लुभाने के लिए शॉफ्ट हिंदुत्व का भी सहारा लिया, बावजूद राज्य का सत्ता में वापसी में सफलता नहीं मिली। कांग्रेस पार्टी सत्ता के नजदीक भी नहीं पहुंच सकी। इस चुनाव में देश की सबसे पुरानी पार्टी को 10 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। वह 46 से 36 सीटों पर समिटकर रह गई।

पुडुचेरी में 23 से 4 सीट तक का सफर-विधायकों के इस्तीफे के साथ ही चुनावों की घोषणा से ठीक पहले केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में कांग्रेस पार्टी की सरकार अल्पमत में आ गई थी। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासान लगा दिया था। इस विधआनसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। सत्ता से बेदखल होने वाली पार्टी 23 से सीधे 4 सीट पर आकर रुकी है। यह काफी ही निराशाजनक प्रदर्शन है।

चार राज्यों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस पार्टी बीजेपी की हार से खुश है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बधाई दी। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, मैं भाजपा को पराजित करने के लिए ममता बनर्जी जी और पश्चिम बंगाल के लोगों को बधाई देता हूं। उनके अलावा कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने ममता को बधाई देते हुए ट्वीट किया, आज झांसी की रानी ने फिर से इतिहास लिख दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना के समय नतीजे

भारत में चुनाव किसी विराट उत्सव की तरह होते हैं, लेकिन यह दौर कोविड की भयावह लहर का है। इसी वजह से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हुए भी कोई उत्सव का माहौल नहीं है। संकट और शोक के ऐसे समय में उत्सव की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जब चुनावों का माहौल शुरू हुआ था, तब बड़ा जोर-शोर दिख रहा था, लेकिन देखते-देखते कोरोना का ऐसा प्रकोप हुआ कि पश्चिम बंगाल में अंतिम दो दौर में चुनाव प्रचार बहुत नियंत्रित और संयमित करने पर मजबूर होना पड़ा। इन चुनावों के नतीजों का विश्लेषण करने पर यह दिखता है कि भारत की राजनीति का विकेंद्रित स्वरूप अब भी बहुत गहरा है। जब भी केंद्र में कोई बहुत मजबूत नेता होता है, तो ऐसा लगता है कि राजनीति केंद्र में सिमट रही है, लेकिन वास्तव में भारतीय राजनीति का बहुलतावाचक और विकेंद्रित स्वभाव बना रहता है। पिछले दोनों आम चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के इर्दगिर्द सिमटे रहे, लेकिन विधानसभा चुनावों में बार-बार स्थानीय मुद्दे, पहचान और नेता महत्वपूर्ण बने रहे। यह राजनीति के लिए शुभ इसलिए है, क्योंकि यह राजनीति को एकाधिकारवादी होने से रोकता है और अगर केंद्र या कुछ क्षेत्र कमजोर होते हैं, तो बाकी राज्य देश को थामे रहते हैं। इन चुनावों में सबसे ज्यादा ध्यान पश्चिम बंगाल पर था, जहां भाजपा ने अपनी सारी ताकत ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ने में लगा दी थी। नतीजे बताते हैं कि ममता बनर्जी अपना किला संभालने में कामयाब रहीं। दरअसल सबकुछ के बावजूद भाजपा के पास स्थानीय कार्यकर्ताओं और ढांचे की कमी थी। इसी तरह बंगाल की राजनीति के एक तत्व यानी आक्रामकता के स्तर पर तो भाजपा मुकाबला कर पाई, लेकिन दूसरा उतना ही महत्वपूर्ण तत्व, सांस्कृतिक पहचान के स्तर पर पिछड़ गई। असम में भाजपा का जीतना काफी प्रत्याशित था, क्योंकि उसके पास संगठन भी है, स्थानीय मजबूत नेता भी हैं। असम की राजनीति में आज सबसे ताकतवर नेता पांच साल पहले कांग्रेस से भाजपा में गए हिमंत बिस्वा सरमा हैं और भाजपा की जीत का ज्यादातर श्रेय उन्हीं को जाता है। लेकिन अब हिमंत मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी ठोकेंगे और उनकी दावेदारी को ठुकराना मुश्किल होगा। पिछले साल कांग्रेस के सबसे कद्दावर नेता तरुण गोगोई की मृत्यु के बाद कांग्रेस दिशाहीन लग रही थी, लेकिन आखिर कांग्रेस ने अच्छी टक्कर दी है। तमिलनाडु में भी यह लग रहा था कि द्रमुक के पक्ष में इकतरफा बाजी है, लेकिन अन्नाद्रमुक का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। ई पलानीस्वामी कोई चमकदार नेता नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री अपने कामकाज से अच्छा प्रभाव जमाया। अगर वे थोड़े दमदार दिखाई भी देते, तो शायद और भी बेहतर होता। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन बहुत पहले से मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, लेकिन आखिरकार पांच साल पहले पहली बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने दूसरी बार वाम मोर्चा को तगड़ी जीत दिलाकर केरल में हर पांच साल बाद सत्ता परिवर्तन का चक्र तोड़ा। विजयन अच्छे राजनेता के साथ कुशल प्रशासक भी साबित हुए और चाहे भीषण बाढ़ से निपटना हो या कोविड से, केरल मॉडल सारे देश के लिए उदाहरण साबित हुआ।

आज के ट्वीट

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पश्चिम बंगाल विधानसभा आमचुनाव में टीएमसी द्वारा फिर बेहतर प्रदर्शन के लिए पार्टी नेता व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। साथ ही, तमिलनाडु के श्री स्टालिन, केरल के श्री विजयन व असम के श्री सोनवाल को भी विधानसभा चुनाव में जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। -- मायावती

इस जय-पराजय के सवाल और सबक

राजकुमार सिंह

जिस सत्ता की खातिर, कोरोना की अधिक घातक लहर की चेतावनी के बावजूद, देशवासियों की जान जोखिम में पड़ने दी गयी, उसका जनादेश भी आ गया। किसी के हिस्से सत्ता आयी तो किसी के हिस्से निराशा, पर जनता के हिस्से तो इलाज और दवाइयों के अभाव में अपनों की टूटती सांसें ही आयीं। शर्मनाक यह कि सरकारी आंकड़ों से परे मौतों की वास्तविक संख्या का इससे सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है कि शवों के अंतिम संस्कार के लिए लाइनें लगी हैं और जगह कम पड़ने लगी है। फिर भी इतराइए कि हम विश्व के सबसे बड़े और जीवंत लोकतंत्र हैं! यह भी कि फिर से विश्व गुरु बनते हुए जल्द ही हम पांच खरब डॉलर वाली अर्थव्यवस्था भी बन जायेंगे! कोरोना काल की बहुप्रचारित सामान्य सावधानियों को भी धता बताते हुए चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में भारी भीड़ के बीच चुनाव प्रचार किया गया, रोड शो निकाले गये। जाहिर है, सत्ता के इस खेल में दांव बहुत ऊंचे थे, तभी तो जान-माल से भी ज्यादा तरजीह उसे दी गयी। कभी अपनी वैश्विक साख के लिए जाना गया भारत का चुनाव आयोग न्यायपालिका की फटकार के बाद तब जागा, जब सांप निकल चुका था। फरमाना आया कि विजय जुलूस नहीं निकलेंगे! आंकड़े गवाह हैं कि चुनाव प्रचार की इसी अवधि में कोरोना की दूसरी लहर न सिर्फ आयी, बल्कि और अधिक मारक होती हुई बेकाबू भी हो गयी। कहां तो हम कोरोना से जंग में विश्व समुदाय का नेतृत्व करने के लिए खुद ही अपनी पीठ थपथपा रहे थे, कहां हम कोरोना के हर रोज आने वाले नये केसों में विश्व रिकॉर्डधारी बन गये। तर्क दिया जा सकता है कि आबादी के अनुपात में देखें तो अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां मरीजों और मौतों की संख्या बहुत ज्यादा भी नहीं है, पर उन देशों की तुलना में हमारी चिकित्सा व्यवस्था का ढांचा कहां टिकता है? सवाल बहुत हैं, पर जवाब देने वाला कोई नहीं। दरअसल, आईना दिखाने वाले सवालों का जवाब कोई भी सत्ता-व्यवस्था नहीं देना चाहती। इसलिए सत्ता के खेल यानी चुनावी राजनीति की ओर लौटते हैं। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के अलावा चार राज्यों : असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हुए। हर चुनाव में सत्तारूढ़ दल सरकार बचाने की जद्दोजहद में रहता है तो विपक्षी दल उसके नीचे से सिंहासन खींचने के। कुछ राज्यों में मुकाबला दो दिग्गजों के बीच होता है तो कहीं दो गठबंधनों के बीच और कहीं तीसरा दावेदार भी जोर आजमाइश करता देखा जा सकता है। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी समेत जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से सिर्फ असम में भाजपा सरकार थी, जबकि अकेले पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार थी, जो चुनाव से पहले ही जोड़तोड़ में चली गयी। अब दो मई को मतगणना के बाद परिदृश्य यह है कि असम में भाजपा अपनी सरकार बचाने में सफल रही है और तमाम कवायद के बावजूद कांग्रेस उसे कड़ी चुनौती तक पेश नहीं कर पायी। पुडुचेरी में सरकार गिराने के लिए कांग्रेस के अंतर्कलह का फायदा उठाते हुए भाजपा ने जो बिसात बिछायी थी, उसका लाभ उसे चुनाव में भी मिला है। कांग्रेस सत्ता से दूर है तो भाजपा से आशीर्वाद प्राप्त उसके बागी एन. रंगास्वामी की पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। तमिलनाडु में लंबे अरसे बाद बिना लोकप्रिय चेहरे के चुनाव हुआ। इसके बावजूद मुख्य मुकाबला दो क्षेत्रीय दलों : सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक और विपक्षी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच ही रहा, जिनमें दोनों राष्ट्रीय दलों : भाजपा और कांग्रेस की भूमिका जूनियर पार्टनर की है। करिश्माई अभिनेत्री और नेत्री जयललिता के निधन के बाद से ही अंतर्कलह का शिकार अन्नाद्रमुक केंद्र सरकार और भाजपा के आशीर्वाद से सरकार का कार्यकाल भले ही पूरा करने में सफल रहा, लेकिन चुनाव वैतरणी पार नहीं कर पाया। उधर करुणानिधि के निधन के बाद डांवाडोल नजर आये द्रमुक, जिसका कांग्रेस से गठबंधन है, की नैया एमके स्टालिन पार लगाने में सफल रहे। जाहिर है, करुणानिधि के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में स्टालिन पर अब तमिलनाडु के मतदाताओं ने भी मुहर लगा दी है। कर्नाटक के बाद से ही किसी और दक्षिण भारतीय राज्य में पैर जमाने को आतुर भाजपा संतोष कर सकती है कि आधे-अधूरे राज्य पुडुचेरी में कमान न सही, सत्ता की डोर उसके हाथ आ गयी है। इस लिहाज से हालिया विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद निराशाजनक रहे हैं। असम में भाजपा को कड़ी चुनौती देने से चूकी कांग्रेस केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा से भी सत्ता छीनने में नाकाम रही है। वायनाड से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद से राहुल गांधी केरल पर विशेष फोकस कर रहे हैं, लेकिन जब कांग्रेस में ही ऐन चुनाव तक बगावत होती रही तो उसके नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा से किसी चमत्कार की आस भी कहां रह जाती है? हां, केरल ने एक चमत्कार अवश्य किया। उम्रदराज मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को एक और कार्यकाल का जनादेश दे दिया तो 75 साल पार नेताओं को सक्रिय राजनीति से विदा करने वाली भाजपा ने भी 80 साल के मेट्रोमेन श्रीधरन को राजनीतिक पारी शुरू करने का अवसर दिया। बेशक चुनाव पांच राज्यों में हुए, लेकिन चुनाव प्रचार से लेकर मीडिया में माहौल तक हर जगह पश्चिम बंगाल या कहें कि मोदी बनाम ममता का मुद्दा ही छाया रहा। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक या चुनावी हिंसा नयी नहीं है, लेकिन ऐसा विषाक्त चुनाव प्रचार लंबे समय बाद देखा गया। नैतिकता और शालीनता से तो हमारे ज्यादातर राजनेताओं का कोई सरोकार रह नहीं गया है, लेकिन सार्वजनिक शिष्टाचार की भी इस चुनाव में जम कर धज्जियां उड़ायी गयीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्र सरकार का कोई भी महत्वपूर्ण मंत्री और भाजपा का कद्दावर नेता नहीं बचा, जो बंगाल की सत्ता से ममता बनर्जी को बेदखल करने का बिगुल फूंकने वहां नहीं गया। 2 मई को मतगणना के साथ ही ममता और तृणमूल कांग्रेस की सत्ता से विदाई की भविष्यवाणी भी तमाम भाजपाई दिग्गजों ने कर दी थी। पुराने सिपहसालार शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम से चुनाव मैदान में उतार कर ममता की ऐसी घेराबंदी की गयी कि पुनः सरकार बनाना तो दूर, खुद उनका विधानसभा पहुंचना मुश्किल हो जाये, लेकिन हुआ क्या? शुभेंदु अधिकारी का प्रभाव क्षेत्र बताये जा रहे नंदीग्राम की ही एकमात्र सीट से चुनाव लड़ कर तो ममता भाजपा के चक्रव्यूह में फंस गयीं, लेकिन अभूतपूर्व हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार भी तृणमूल कांग्रेस की सीटें कम नहीं कर पाया। मोदी बनाम ममता की बहुप्रचारित जंग में यह किसकी हार है, यह बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। यह सबक भी है कि मौसमी दलबदलुओं, आयातित नेताओं-वक्ताओं और मीडिया प्रबंधन के जरिये माहौल तो बनाया जा सकता है, लेकिन चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसके बावजूद वाकपटु भाजपा नेता इस हार में भी अपनी जीत देख-दिखा रहे हैं तो इसलिए कि परिस्थितियों की अपने अनुकूल व्याख्या भी राजनीति की एक कला है। इसलिए अब भाजपा हालिया प्रदर्शन की तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन से करने के बजाय 2016 के विधानसभा चुनावों से कर रही है। तब उसे कुल तीन सीटें मिली थीं। यह अलग बात है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 18 सीटों तक पहुंच गयी। जाहिर है, ममता की तृणमूल कांग्रेस ने जबर्दस्त जीत हासिल की है, पर भाजपा इसे अपनी हार नहीं मान रही, तो सवाल है कि फिर हारा कौन? यह हार है, कांग्रेस और वाम मोर्चा की। दशकों तक धुर विरोधी रहे कांग्रेस और वाम मोर्चा ने मिलकर यह चुनाव लड़ा और पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने इस सिद्धांतहीन अवसरवादी गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया। दरअसल, कांग्रेस-वाम मोर्चा गठबंधन राजनीतिक दोगलेपन की ही मिसाल रहा, क्योंकि बंगाल में मिलकर लड़ने वाले ये दल केरल में एक-दूसरे के विरुद्ध लड़े। इन चुनावों में किसने किसके साथ खेला कर दिया—यह चर्चा लंबी चलेगी, लेकिन सबसे खतरनाक खेला तो कोरोना की मार झेल रही जनता के साथ सत्तालोलुप राजनीति ने किया है।

ज्ञान गंगा

संसार

आचार्य रजनीश ओशो/ संसार का अर्थ है: आकांक्षा, तृष्णा, वासना, कुछ होने की चाह। संसार का अर्थ, ये बाहर फैले हुए चांद-तारे, वृक्ष, पहाड़-पर्वत, लोग--यह नहीं है। संसार का अर्थ है: भीतर फैली हुई वासनाओं का जाल। संसार का अर्थ है: मैं जैसा हूं, वैसे से ही तृप्ति नहीं; कुछ और होऊं, तब तृप्ति होगी। जितना धन है, उससे ज्यादा हो। जितना सौंदर्य है, उससे ज्यादा हो। जितनी प्रतिष्ठा है, उससे ज्यादा हो। जो भी मेरे पास है, वह कम है--ऐसा जो कांटा गड़ रहा है, वही संसार है। और ज्यादा हो जाए, तो मैं सुखी हो सकूंगा। जो मैं हूं, उससे अन्यथा होने की आंकाक्षा संसार है। जिस दिन यह आकांक्षा गिर जाती है; जिस दिन तुम जैसे हो वैसे ही परम तृप्त; जहां हो वहीं आनंद रसविमुग्ध; जैसे हो वैसे ही गद--उसी क्षण संसार मिट गया। और संसार का मिटना और परमात्मा का होना दो चीजें नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि पहले संसार मिटा, फिर बैठे राह देख रहे हैं कि अब परमात्मा कब होगा। संसार का मिटना और परमात्मा का होना एक ही बात को कहने के दो ढंग हैं। चाहे कहो रात मिट गई, चाहे कहो सुबह हो गई, एक ही बात को कहने के दो ढंग हैं। ऐसा नहीं हैं कि रात मिट गई, फिर लालटेन लेकर खोज रहे हैं कि सुबह कहां है। रात मिट गई तो सुबह हो गई। संसार गया कि परमात्मा हो गया। सच तो यह है, यह कहना कि परमात्मा हो गया, ठीक नहीं। परमात्मा तो था ही; संसार के कारण दिखाई नहीं पड़ता था। तुम कहीं और भागे हुए थे, इसलिए जो निकट था वह चूकता जाता था। तुम्हारा मन कहीं दूर चांद-तारों में भटकता था, इसलिए जो पास था वह दिखाई नहीं पड़ता था। पश्चिम के एक बड़े विचारक माइकल अदम ने अपने संस्मरण लिखे हैं। समझने योग्य संस्मरण हैं। लिखा है कि सब तरह से सुख को खोजने की कोशिश की; जैसा सभी करते हैं-धन में, पद में, यश में। कहीं सुख पाया नहीं। सुख को जितना खोजा उतना दुख बढ़ता गया। जितनी आकांक्षा की कि शांति मिले, उसे आकांक्षा के कारण ही अशांति और सघन होती चली गई। अतीत में सुख खोजा; बीत गया जो, उसमें सुख खोजा, और नहीं पाया; और भविष्य में सुख खोजा, कि अभी जो नहीं हुआ, कल जो होगा; वह कल कभी नहीं आया। जो कल आ गए, अतीत हो गए, उनमें सुख की कोई भनक नहीं मिली; और जो आए नहीं--आते ही नहीं--उनमें तो सुख कैसे मिलेगा! दौड़-दौड़ थक गया। सब दिशाएं छान डालीं। सब तारे टटोल लिए। सब कोने खोज दिए।

संतोष मन को ही मिलता है सच्चा सुख

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

अन्तर्मन कबीर की एक साखी में उलझ कर जाने क्या-क्या सोच रहा है। कबीर ने कब, क्यों और किसे देखकर यह साखी कही होगी? इस साखी में आज के लिए ऐसा क्या संदेश छिपा हुआ है कि अन्तर्मन बेचैन-सा हो रहा है? कबीर की साखी है :-

माया मरी न मन मरे, मर-मर गए सरीर।
आसा तृस्ना ना मरी, कह गए दास कबीर।

अर्थात ् यह शरीर तो जाने कितनी बार मरा है, रोज़ ही मरता है, लेकिन न माया मरती है और न ही संसार में रह कर और ज्यादा पाने की तृष्णा ही मरती है। क्या हम केवल और केवल सांसारिक सुखों और सुविधाओं को पाने के लिए ही इस संसार में आए हैं? क्या आलीशान बिल्डिंग और महंगी कारों वाले ही सुखी हैं? क्या धन, दौलत और ऐश्वर्य पाकर ही आदमी को इस संसार में मानसिक शान्ति मिल सकती है? वास्तविकता यह है कि आज हम स्वार्थवादिता में बुरी तरह फंस गए हैं और केवल अपने लिए ही सब कुछ पाना चाहते हैं। महाकवि जयशंकर प्रसाद ने कामायनी महाकाव्य में श्रद्धा से मनु को जो शब्द कहलाए हैं, उनमें जीवन का सार-तत्व निहित है :-

अपने में भर सब कुछ कैसे, व्यक्ति विकास करेगा?
यह एकांत स्वार्थ है भीषण, अपना नाश करेगा।

दरअसल, हमारी आवश्यकताएं असीमित हैं और उनकी पूर्ति के साधन सीमित होते हैं, इसलिए मनुष्य की आवश्यकताएं कभी पूरी नहीं हो सकती और मनुष्य अशांत रहता है। तब क्या किया जाए? क्या हमें अपनी इच्छाओं का दास बन जाना चाहिए? क्या सुविधाओं के पीछे भागना ही मनुष्य का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए? ऐसे में एक प्रसंग महात्मा बुद्ध के जीवन का पढ़ने को मिल गया, जिसे पढ़कर सच्चे सुख और शान्ति को पाने का सही मार्ग दिखाई दिया है।

प्रसंग इस प्रकार है—महात्मा बुद्ध एकबार पाटलिपुत्र पहुंचे। उनके विहार में प्रतिदिन अनेक लोग उनके प्रवचन सुनने और अपनी श्रद्धा अर्पित करने आते थे। बुद्ध आने वालों की जिज्ञासाओं और शंकाओं का निवारण भी करते थे। एक दिन विहार में सम्राट, अमात्य, सेनापति और नगर के श्रेष्ठिजन उपस्थित थे, तभी आनंद ने बुद्ध से प्रश्न किया—भन्ते! सुख क्या है? और यहां बैठे लोगों में सबसे ज्यादा सुखी कौन है? प्रश्न सुनकर महात्मा बुद्ध क्षण भर मौन रहे और उन्होंने सभा में बैठे लोगों की ओर देखा। बुद्ध का उत्तर सुनने के लिए सभा में सन्नाटा था। सभी सोच रहे थे कि बुद्ध आज सम्राट या अमात्य या सेनापति आदि की ओर संकेत करेंगे, लेकिन महात्मा बुद्ध ने तो सबसे पीछे एक कोने में बैठे फटेहाल, कृशकाय व्यक्ति की ओर संकेत करके कहा—आनंद! वह सबसे सुखी व्यक्ति है।सभा में बैठा हर व्यक्ति अचंभे में पड़ गया कि इतने बड़े और संपन्न लोगों के होते बुद्ध ने इस फटेहाल कृशकाय व्यक्ति को सबसे सुखी कैसे बताया है? महात्मा बुद्ध ने लोगों की जिज्ञासा देखते हुए कहा कि आप सभी अपनी-अपनी इच्छाएं बताएं। सबने बुद्ध को अपनी इच्छाएं बताईं, तो अन्त में उस फटेहाल व्यक्ति की बारी आई, तो उसने कहा—मेरी कोई इच्छा नहीं है, आप पूछ ही रहे हैं, तो मैं कहूंगा कि मुझमें ऐसी चाह पैदा हो कि मन में कोई इच्छा ही पैदा न हो।

तब बुद्ध ने उससे पूछा—क्या तुम्हें धन, नए वस्त्र, आलीशान घर नहीं चाहिए? तो उस व्यक्ति का उत्तर था—मेरी सारी आवश्यकताएं इतने से पूरी हो जाती हैं, तो और का क्या करूंगा?

भगवान बुद्ध ने कहा—उपस्थित जनों, इस व्यक्ति के उत्तर में ही समाधान छिपा हुआ है। संसार में कोई भी व्यक्ति धन, दौलत, ऐश्वर्य, वैभव और वस्त्रों आदि से सुखी नहीं होता। सुख तो हमारे भीतर रहता है, हमारी

सोच में रहता है। जिस आदमी के भीतर ज्यादा से ज्यादा पाने की लालसा है, इकट्ठा करने की चाह है, वह भला कैसे सुखी हो सकता है? यह प्रसंग असली सुख का अनुभव करने वाले संतों के जीवन का तत्व दर्शाने वाले इस कथन की याद कराता है :-

साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूं, साधु ना भूखा जाय।

हम निरंतर सब कुछ पाने की लालसा में सब कुछ खो देते हैं। मन का संतोष हमने खो दिया है और हमारे मन बेचैनी में तड़पते हैं। आखिर, जब विश्वविजय की कामना रखने वाले सिकंदर को भी दुनिया से खाली हाथ ही जाना पड़ा था, तब क्यों यह बात समझ में नहीं आती कि संसार में सुख केवल संतोष से ही मिल पाता है। हमारा तो चिंतन ही यह रहा है :-

गौधन,गजधन,बाजिधन, और रतनधन खान।
जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान।

अन्तर्मन तो मनु को कहे गए श्रद्धा के मूल्यवान शब्दों को दोहराने को करता है :-

औरों को हंसते देखो मनु, हंसों और सुख पाओ।
अपने सुख को विस्तृत कर लो, सबको सुखी बनाओ।

तो आइए, एक संकल्प तो आज हम कर ही लें कि जितना प्रभु हमें दे रहे हैं, उसमें संतोष करना सीखें। सच्चा सुख तो सचमुच संतोष में ही मिलेगा, भागमभाग में कदापि नहीं।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु की नयी सरकार के साथ मिलकर करेंगे काम : सीआईआई

चेन्नई, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सोमवार को कहा कि संगठन तमिलनाडु को विकास के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए राज्य की नयी सरकार के साथ मिल कर काम करेगा। तमिलनाडु में अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों के रविवार को घोषित नतीजों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल की है। सीआईआई के दक्षिण भारत क्षेत्र के अध्यक्ष सी के रंगनाथन ने कहा, ''द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन को तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनावों में शानदार जीत के लिए बधाई। यह ऐतिहासिक जीत तमिलनाडु के लोगों के लोकप्रिय समर्थन को दर्शाता है। सीआईआई विनिर्माण, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, कौशल विकास, उद्यमिता, बुनियादी ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में राज्य की नयी सरकार के साथ केंद्रित लक्ष्य पर नजदीकी से काम करेगा।'' उन्होंने कहा, ''कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में परिसंघ राज्य सरकार के साथ पहले से काम कर रहा है। सीआईआई और उसके सदस्य राज्य को जल्द से जल्द कोविड-19 संकट से बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार के साथ काम करने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।''

सीड्स के साथ मिलकर कोविड स्वास्थ्य सेवा केंद्र स्थापित करेगा पेप्सिको फाउंडेशन, टीका अभियान चलायेगा

नयी दिल्ली, पेप्सिको कंपनी की धर्मार्थ सेवा इकाई पेप्सिको फाउंडेशन ने सोमवार को कहा कि उसने भारत में सामुदायिक कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने और कोविड स्वास्थ्य सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए गैर मुनाफा संगठन सस्टेनेबल इन्वॉर्यनमेंट एंड इकोलॉजिकल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीड्स) के साथ साझेदारी की है। पेप्सिको इंडिया ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत समुदायों को एक लाख से ज्यादा कोविड-19 टीकों की खुराक उपलब्ध करायी जाएंगी। ये खुराक स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के जरिए दी जाएंगी। वहीं तीन महीने के लिए पांच कोविड स्वास्थ्य सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे जो बिस्तरों और ऑक्सीजन सिलिंडरों सहित चिकित्सा सुविधाओं से लैस होंगे। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में अलग-अलग अस्पतालों में वितरण के लिए केंद्र सरकार को 100 से ज्यादा ऑक्सीजन कंसनट्रेटर भी दिए जाएंगे। फाउंडेशन ने कहा, पूरा सामुदायिक राहत कार्यक्रम पांच राज्यों - महाराष्ट्र, पंजाब, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना पर विशेष ध्यान देते हुए पूरे देश में चलाया जाएगा।

रिजर्व बैंक बैंकों, एनबीएफसी का जोखिम आधारित निरीक्षण मजबूत बनाएगा

मुंबई । वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों को उभरती चुनौतियों का सामना करने लायक बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम आधारित निरीक्षण की समीक्षा करने और उसे मजबूत बनाने का फैसला किया है। यह फैसला वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों को उभरती चुनौतियों का सामना करने लायक बनाने के लिए किया गया है। रिजर्व बैंक जोखिम आधारित निरीक्षण (आरबीएस) का इस्तेमाल बैंकों, शहरी सहकारी बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों की निगरानी और निरीक्षण के लिए करता है। इसमें गुणवत्ता और मात्रात्मक तत्व सभी शामिल होते हैं। रिजव बैंक ने तकनीकी विशेषज्ञों, सलाहकारों से बैंकों के लिये प्रक्रिया को आगे ले जाने के लिए बोलियां आमंत्रित करते हुए कहा कि मौजूदा आरबीएस नमूने को उभरती चुनौतियों के समक्ष अधिक सक्षम और बेहतर बनाने के लिए वह निरीक्षण प्रक्रिया की समीक्षा की इच्छा रखता है। इसके साथ ही इसमें आने वाली विसंगतियों को यदि कोई है तो दूर किया जाएगा। शहरी सहकारी बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का वार्षिक वित्तीय निरीक्षण इन संस्थानों की पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति गुणवता, प्रबंधन, कमाई, तरलता और प्रणाली एवं नियंत्रण यानी सीएएमईएलएस नमूने पर आधारित है।

कोविड-19 से लड़ने में मदद के लिए आगे आया SBI, किए कई ऐलान

बिजनेस डेस्क :

कोरोना की दूसरी लहर से निपटने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने मदद करने के लिए 71 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। बैंक ने 1000 बेड वाला अस्पताल बनाने के लिए 30 करोड़ रुपए समर्पित किए हैं। खराब स्थिति वाले राज्यों में 250 बेड आईसीयू की सुविधा के साथ और 1000 आइसोलेशन सुविधाओं वाले बेड के लिए आवंटन किया है। ये सुविधाएं संबंधित शहरों के सरकारी अस्पतालों और नगर निगमों के सहयोग से स्थापित की जाएंगी।

उपकरणों के लिए 10 करोड़ रुपए का योगदान

एसबीआई अस्थायी अस्पताल स्थापित करने के लिए विभिन्न नामित अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। बैंक सरकार को जीनोम-अनुक्रमण उपकरण या प्रयोगशाला और वैक्सीन अनुसंधान उपकरण के लिए 10 करोड़ रुपए का योगदान भी देगा।

सरकार के प्रयासों में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध- चेयरमैन

इस संदर्भ में बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा कि, हम दूसरी लहर के खिलाफ लड़ाई में समाज के लिए योगदान देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

हम भारत के नागरिकों के लिए धन, संसाधनों और योगदान को पहुंचाने और वायरस से लड़ने में सरकार के प्रयासों में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे जरूरतमंद लोगों को किसी भी रूप में अपना समर्थन दें और देश को कोविड-19 मुक्त बनाने में योगदान दें।

इसके अतिरिक्त, एसबीआई ने अपने सभी 17 स्थानीय प्रमुख कार्यालयों को 21 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिसमें नागरिकों की तत्काल चिकित्सा जरूरतों को पूरा करना शामिल है। इसमें जीवन रक्षक स्वास्थ्य संबंधी उपकरण खरीदना और अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाना शामिल है। बैंक पीपीई किट, मास्क, राशन कार्ड और भोजन देना जारी रखेगा।

सरकार ने दान स्वरूप मिलने वाली आयातित कोविड- 19 राहत सामग्रियों पर आईजीएसटी से छूट दी

नयी दिल्ली,

सरकार ने देश में वितरण के लिये दान स्वरूप या बिना किसी लागत के प्राप्त आयातित कोविड संबंधित राहत सामग्रियों पर एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) से 30 जून तक छूट देने की सोमवार को घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार को भारत से बाहर के कई परमार्थ संगठनों, कॉरपोरेट इकाइयों और अन्य संगठनों/इकाइयों से देश में मुफ्त वितरण के लिये आयातित, दान स्वरूप या बिना लागत के प्राप्त कोविड-19 राहत सामग्रियों पर आईजीएसटी से छूट के अनुरोध मिले थे। बयान के अनुसार, ''इसके अनुसार, केंद्र सरकार ने देश में मुफ्त वितरण के लिये आयातित और बिना लागत के प्राप्त कोविड राहत सामग्रियों पर आईजीएसटी से छूट की मंजूरी दी है। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी।'' यह छूट उन वस्तुओं पर भी मिलेगी, जो अब तक सीमा शुल्क बंदरगाहों पर मंजूरी नहीं मिलने के कारण पड़ी हुई है। उल्लेखनीय है कि सरकार पहले ही रेमडेसिविर इंजेक्शन और उसमें उपयोग होने वाले मुख्य रसायन (एपीआई), चिकित्सा स्तर के ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर, क्रायोजेनिक ट्रांसपोर्ट टैंक तथा कोविड टीकों जैसे सामानों के आयात पर सीमा शुल्क से छूट की घोषणा कर चुकी है। राहत सामग्रियों के मुफ्त वितरण के लिये आईजीएसटी छूट राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त नोडल प्राधिकरण, अधिकृत इकाई, राहत एजेंसी या सांविधिक निकाय की मंजूरी पर निर्भर करेगा। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच यह निर्णय किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सोमवार को कोविड संक्रमण के 3.68 लाख मामले आये जबकि 3,417 लोगों की मौत हो गयी। पिछले सप्ताह संक्रमण के दैनिक मामले 4 लाख से ऊपर पहुंच गये थे।

वित्त मंत्री का दूसरे देशों से आग्रहः कोविड टीकों की टेक्नोलॉजी करें शेयर, टीकों को लेकर कोई राष्ट्र

बिजनेस डेस्क :

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दुनिया के देशों से महामारी के इस दौर में कोविड टीकों की टेक्नोलॉजी शेयर करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि टीके को लेकर कोई राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। वित्त मंत्री ने कोविड महामारी के संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े व्यापार संबंधित पहलुओं (ट्रिप्स) पर गौर करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

टीकों को लेकर कोई राष्ट्रवाद नहीं हो सकता

उन्होंने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सालाना बैठक में कहा, ÷देशों को टीका आधारित टेक्नोलॉजी शेयर करने के लिए तैयार होना होगा। महामारी के संदर्भ में ट्रिप्स समझौते पर गौर करना होगा। टीकों को लेकर कोई राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। देशों को इस मामले में लचीला रुख अपनाना चाहिए।%% ट्रिप्स समझौता विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के बीच एक कानूनी समझौता है। यह सदस्य देशों द्वारा बौद्धिक संपदा के विभिन्न रूपों के विनियमन के लिए मानक स्थापित करता है जो डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों पर लागू होता है। समझौता जनवरी 1995 में प्रभाव में आया।

वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि कोविड महामारी से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सबको मिलकर काम करने की जरूरत है। सीतरमण ने कहा कि महामारी के बाद ''जैसा कि मैंने कहा है, भविष्य खुलेपन, पारदर्शिता, निष्पक्षता, टिकाऊपन और समावेशी सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए।%% वैश्विक जलवायु कार्रवाई के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत पेरिस समझौते से संबद्ध सभी प्रतिबद्धताओं को लेकर प्रतिबद्ध है और वह उसे पूरा करने के रास्ते पर है। वित्त मंत्री ने इस मौके पर यह भी कहा कि सरकार ने महामारी के दौरान आर्थिक गतिविधियां बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, सरकार ने महामारी के दौरान उनकी मदद के लिए 3 लाख रुपए की कर्ज गारंटी के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई।

कोरोना से लड़ने के लिए Pfizer ने भारत को दान में दीं 510 करोड़ रुपए की दवाएं

बिजनेस डेस्क :

वैश्विक दवा विनिर्माता फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बूर्ला ने कहा कि कंपनी अपने अमेरिका, यूरोप और एशिया स्थित वितरण केंद्रों से 7 करोड़ डॉलर (करीब 510 करोड़ रुपए) की दवाएं भारत के लिए भेज रही है। उन्होंने फाइजर इंडिया के कर्मचारियों को भेजे मेल में कहा, ÷हम भारत में कोविड-19 के हालात से अत्यधिक चिंतित हैं, और दिल से आपके, आपके प्रियजनों और भारत के सभी लोगों के साथ हैं।%% उन्होंने यह मेल लिंकडइन पर पोस्ट किया है।

दवाओं को तेजी से भारत भेजने के लिए प्रयास कर रहे

बूर्ला ने कहा, ''हम इस बीमारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपनी कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ी मानवीय राहत के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।%% उन्होंने कहा कि फिलहाल अमेरिका, यूरोप और एशिया के वितरण केंद्रों में फाइजर के सहयोगी इन दवाओं को तेजी से भारत भेजने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

बूर्ला ने कहा, ''हम ये दवाइयां दान कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश के हर सार्वजनिक अस्पताल में प्रत्येक जरूरतमंद कोविड-19 रोगी को फाइजर की दवाएं मिल सकें।%% उन्होंने कहा कि सात करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक मूल्य की इन दवाओं को तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा और ''हम सरकार तथा अपने एनजीओ साझेदारों के साथ मिलकर काम करेंगे।%%

भारत में जल्द उपलब्ध होगी फाइजर-बायोएटेक वैक्सीन

अल्बर्ट बूर्ला ने कहा कि कंपनी अपनी फाइजर-बायोएटेक वैक्सीन को भारत में जल्द उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के साथ बातचीत कर रही है, ताकि उसे तेजी से मंजूरी मिल सके। फाइजर ने इससे पहले अप्रैल में कहा था कि उसने भारत में सरकारी टीकाकरण कार्यक्रम के लिए अपनी वैक्सीन को लाभ-रहित मूल्य पर उपलब्ध कराने की पेशकश की है और वह भारत में वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है।

बूर्ला ने कहा, ''फाइजर इस बात से अवगत है कि महामारी को खत्म करने के लिए वैक्सीन की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से हमारी वैक्सीन भारत में पंजीकृत नहीं है, हालांकि हमने महीनों पहले आवेदन दिया था।%% उन्होंने कहा, ''हम इस समय भारत सरकार के साथ अपनी फाइजर बायोएनटेक वैक्सीन को देश में उपलब्ध कराने के लिए तेजी से मंजूरी देने पर चर्चा कर रहे हैं।%%

कोटक महिन्द्रा बैंक का चौथी तिमाही शुद्ध मुनाफा 36 प्रतिशत बढ़कर 2,589 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, कोटक महिंद्रा बैंक ने सोमवार को बताया कि मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 36 प्रतिशत बढ़कर 2,589 करोड़ रुपए हो गया। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने पिछले वित्तवर्ष की इसी तिमाही में 1,905 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। बैंक ने एक बयान में कहा कि चौथी तिमाही में उसे 16,175.87 करोड़ रुपये की कुल आय हुई जो पिछले वित्तवर्ष की इसी तिमाही में 12,084.71 करोड़ रुपये हुई थी। तिमाही के दौरान, एकल मुनाफा भी 33 प्रतिशत बढ़कर 1,682 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,267 करोड़ रुपये रहा था। एकल आधार पर, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 8,398.39 करोड़ रुपये की हो गई जो पूर्व वर्ष की इसी तिमाही में कुल आय 8,294.07 करोड़ रुपये रही थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) आठ प्रतिशत बढ़कर 3,843 करोड़ रुपये हो गई जो पूर्व वर्ष की इसी तिमाही में 3,560 करोड़ रुपये रही थी।

मसाले और दालों की कीमत बढ़ी

मुंबई । दाल और मसालों के दाम में पिछले महीने की तुलना में करीब 10 फीसदी तक इजाफा हो गया। गौरतलब है कि देश में कोरोना की पहली लहर के दौरान ही आयुष मंत्रालय ने शरीर में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए लौंग, दालचीनी, काली मिर्च, सोंठ या अदरख, तुलसी का पत्ता, गिलोय, हल्दी पावडर आदि का मिश्रण तैयार कर काढ़ा पीने की सलाह दी थी। इसका नतीजा यह रहा कि देश में पिछले एक महीने के दौरान दालों और मसालों की कीमत में करीब 10 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार दिल्ली में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान काढ़ा पीने के चलने में एक बार फिर से तेजी आने के बाद गरम मसालों में प्रमुख लौंग की कीमत में पिछले एक महीने के दौरान 80 से 100 रुपए तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके साथ ही काली मिर्च, गुड़, दाल, चना, काला चना, अरहर, राजमा, करेला, गोभी, लौकी आदि कीमतों में इजाफा हो गया। जानकारी के मुता बिक दिल्ली में इस समय लौंग करीब 100 रुपए की वृद्धि के साथ 1100 रुपए प्रतिकिलो बेचा जा रहा है। हालांकि अप्रैल महीने तक यह 1000 रुपए प्रतिकिलो बेचा जा रहा था। इसके साथ ही करीब 700 रुपए प्रतिकिलो की दर से बिकने वाली काली मिर्च 750 रुपए किलो बिक रही है। इसके साथ ही अगर दालों की बात करें तो अप्रैल महीने में 90 से 100 किलो बिकने वाली अरहर दाल 100 से 110 रुपए किलो बिक रही है।

शेयर बाजार ने शुरुआती नुकसान की भरपाई की, सेंसेक्स 64 अंक टूटा, निफ्टी में मामूली बढ़त

मुंबई,

वैश्विक शेयर बाजारों में नकरात्मक रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती बड़ी गिरावट से उबरते हुए अंत में 64 अंक के मामूली नुकसान के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में काफी गिरावट हुई, लेकिन बाद में रुपये में सुधार से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स एक समय 750 अंक से अधिक लुढ़क गया था। लेकिन बाद में इसमें सुधार आया और अंत में यह 63.84 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,718.52 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी इसी प्रकार का उतार-चढ़ाव आया और अंत में यह 3.05 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 14,634.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन को सर्वाधिक 4.58 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, ओएनजीसी, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, एचयूएल, मारुति, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी आदि शेयर लाभ में रहे। इनमें 3.98 प्रतिशत तक की तेजी आयी। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार, ''वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बावजूद शेयर बाजार दिन के न्यूनतम स्तर से ऊपर आया। बैंकों और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) की ऋण वसूली और संपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंता से वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव रहा। हालांकि, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों तथा धातु कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।'' उन्होंने कहा कि एक तरफ देश में लगातार कोविड संक्रमण के मामले ऊंचा बने रहने से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ रहा है। दूसरी तरफ कंपनियो के बेहतर तिमाही परिणाम के साथ सकारात्मक प्रबंधन टिप्पणियों से बाजार को समर्थन मिल रहा है। वृहत आर्थिक मोर्चे पर आईएचएस मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में 55.5 था, जो मार्च के 55.4 के मुकाबले थोड़ा अधिक है।

वैक्सीन की कमी पर पूनावाला का बयान, कहा- रातों रात टीके का उत्पादन बढ़ाना संभव नहीं

बिजनेस डेस्क :

सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कोरोना वैक्सीन को लेकर चल रही मीडिया में खबरों पर अपनी सफाई दी है। ट्विटर पर बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत सी गलत रिपोर्ट्स के बीच यह जरूरी था कि लोगों तक सही जानकारी पहुंचाई जाए। अदार पूनावाला ने अपने बयान में कहा कि उनके कई स्टेटमेंट्स को गलत ढंग से पेश किया गया था। पूनावाला ने वैक्सीन की कमी को लेकर कहा, पहली बात यह है कि टीकों की मैन्युफैक्चरिंग एक स्पेशलाइज्ड प्रोसेस है। ऐसे में इसे रातोंरात नहीं बढ़ाया जा सकता।

पिछले साल से ही सरकार से मिल रही मदद

पूनावाला ने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि भारत की आबादी बहुत अधिक है। ऐसे में सभी वयस्कों के लिए कोरोना वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग करना आसान टास्क नहीं है। यहां तक कि हमारे मुकाबले काफी कम आबादी वाले देशों को भी टीकों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा सरकार के साथ सामंजस्य कमजोर होने के आरोपों का भी पूनावाला ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि बीते साल अप्रैल से ही हम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमें सरकार से हर तरह का सपोर्ट मिला है, चाहे वह वैज्ञानिक, नियम या फिर आर्थिक सहयोग की बात हो। सरकार की ओर से नए ऑर्डर न मिलने के सवाल का भी उन्होंने जवाब दिया है।

11 करोड़ डोज की सप्लाई की जाएगी

पूनावाला ने कहा, अब तक हमें 26 करोड़ वैक्सीन डोज का ऑर्डर मिल चुका है। इसमें से हमारी ओर से अब तक 15 करोड़ डोज की सप्लाई की जा चुकी है। इसके अलावा अगली 11 करोड़ डोज के लिए सरकार की ओर से 1,732 करोड़ रुपए का अडवांस दिया जा चुका है। अगले कुछ महीनों में हमारी ओर से 11 करोड़ डोज की सप्लाई की जाएगी। इसके अलावा अगले कुछ महीनों में 11 करोड़ अतिरिक्त डोज की सप्लाई राज्यों और निजी अस्पतालों को हमारी ओर से की जाएगी।

पूनावाला ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि वैक्सीन की सप्लाई जल्दी से हो सके। हमारी ओर से इसके लिए जमकर प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि हम जल्दी ही कोरोना के खिलाफ जंग में विजय हासिल करेंगे।

टेक महिंद्रा और रीगेन ने बनाई ऐसी दवाई जो कोरोना वायरस को खत्म करने में है सक्षम, पेटेंट का किया आवेदन

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा औषधि कंपनी रीगेन बायोसाइंसेज के साथ मिल कर एक ऐसी दवा के पेटेंट का आवेदन कियाहै जो कोरोना वायरस के शमन में कारगर हो सकती है। टेक महिंद्रा के तकनीकी नवप्रवर्तन विभाग के वैश्विक प्रमुख एवं कंपनी की मार्कर्स लैब पहल के प्रकुख निखिल मल्होत्रा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रीगेन के साथ मिल कर पेटेंट हासिल करने आवेदन की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि इस दवा का अभी और परीक्षण किया जाएगा। मार्कर्स लैब टेक महिंद्रा की अनुसंधान एवं विकास इकाई है। मल्होत्रा ने कहा कि हमने एक औषधीय रसायन का विकास किया है जो कोराना वायरस के शमन में कारगर हो सकता है। हमने संयुक्त रूप से इस पर अपना पेटेंट कराने का आवेदन कर दिया है। हम यह प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस औषधीय योगिक का नाम सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं।' इस अवयव के विकास में दोनों कंपनियों का योगदान है। मार्कर्स लैब ने कोरोना वायरस का गणितीय प्रतिरूपण के आधार पर विश्लेषण किया। आणविक प्रतिरूपण अध्ययन के आधार पर टेक महिंद्रा और इस शोध में उसके साथ काम कर रही जैव प्रौद्योगिकी कंपनी रीगेन ने अमरीकी औषधि विनियामक एफडीए द्वारा मंजूर 8000 दवाओं की सूची में से 10 औषधीय रासयनिक अणुओं की पहचान की और उन पर अपने भागीदारों के साथ बेंगलूरू में आगे अनुसंधान शुरू किया। इस अनुसंधान में एक त्रि-बीमीय फेफड़े का सृजन कर इन अणुओं का परीक्षण शुरू किया गया। इनमें एक अणु हमारे अनुसंधान के अनुकूल पाया गया। उन्होंने कहा कि हमने गणितीय विश्लेषण और हमारे भागीदारों ने चिकित्सकीय परीक्षण किए।उन्होंने कहा कि यह अनुसंधान गणितीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के आधार पर भविष्य में नयी दवाओं की खोज की प्रौद्योगिकी तैयार करने का प्रयास भी है।

अशोक लेलैंड ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप को देख उत्पादन घटाया

नई दिल्ली :

हिंदुजा समूह की फ्लैगशिप कंपनी अशोक लेलैंड ने सोमवार को कहा कि उसने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर के कारण मांग में आई भारी कमी को देखते हुए अपने सभी संयंत्रों में उत्पादन को घटाने का निर्णय किया है। समूह ने कहा कि उसने मांग की स्थिति की समीक्षा के बाद उत्पादन घटाने का निर्णय लिया है। हालांकि, मौजूदा मांग को पूरा किया जा रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आये। कंपनी इस दौरान रक्षा वाहनों की आवश्यकता को पूरा करने का काम भी जारी रखेगी। अशोक लेलैंड ने कहा, %हमारे सभी उत्पादों की मांग में अस्थायी रूप से प्रभावित होने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने सभी संयंत्रों के संचालन को कम करने का निर्णय किया है। मई में केवल सात से पंद्रह दिनों के लिए ही काम चलने की उम्मीद है। जैसे ही कोरोना से स्थिति बेहतर होगी, हम उसी के अनुसार संचालन को लेकर निर्णय लेंगे।%

गौरतलब है कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों से प्रतिदिन बिगड़ती स्थिति के कारण ऑटो क्षेत्र से जुडी कई कंपनियों ने कुछ दिनों के लिए उत्पादन रोक दिया है या फिर मांग के अनुरूप उत्पादन को घटा दिया है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 3,68,147 नए मामले सामने आये है, जिससे कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,99,25,604 पर पहुंच गई है। इस दौरान 3,417 लोगों की मौत से मरने वालों का आंकड़ा भी 2,18,959 पर पहुंच गया हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस ने आईपीएल पर उठाए सवाल, कहा- यह ठीक समय नहीं

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि देश में कोरोना महामारी को लेकर जो हालात बने हुए हैं उसे देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों के आयोजन का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि देश महामारी की चपेट में है और वर्तमान माहौल आईपीएल जैसे बड़े मैचों के आयोजन के लिए उचित नहीं है। आईपीएल मैच खेल रहे टीम के कुछ खिलाडियों के संक्रमित होने से मैच रद्द करने की भी खबर पर उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस माहौल में आईपीएल होना ही सवाल खड़ा करता है। सवाल यह है कि वर्तमान परिस्थिति में इन खेलों के आयोजन की जरूरत ही क्या है। प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के बड़े आयोजन के लिए यह माहौल ठीक नहीं है। उनका कहना था कि इस माहौल में हमें और चीजों की चिंता हो या ना हो लेकिन खिलाड़ियों की सेहत की चिंता जरूर करनी चाहिए।

बीसीसीआई ने कोलकाता और बेंगलोर के मैच को टाले जाने की पुष्टि की

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के 14वें सीजन में सोमवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मैच को टाले जाने की पुष्टि की है। बोर्ड ने यह फैसला कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज संदीप वॉरियर कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद लिया है। इस मैच को अब किसी और दिन आयोजित किया जाएगा। हालांकि बीसीसीआई ने यह नहीं बताया है कि इस मैच को कब आयोजित किया जाएगा।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर, पिछले चार दिनों के अंदर तीसरे राउंड में पॉजिटिव पाए गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को छोड़कर टीम के बाकी सदस्य की रिपोर्ट निगेटिव आई है। दोनों खिलाड़ियों को बाकी टीम से अलग आइसोलेट कर दिया गया है और मेडिकल टीम लगातार उनके संपर्क में है और उनकी हेल्थ पर नजर बनाए रखी है। बीसीसीआई ने आगे कहा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच तीन मई (सोमवार को) होने वाले लीग के 30वें मैच को किसी और दिन आयोजित किया जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभी ग्रुप चरण के दो और मैच खेले जाने बाकी है। ये मैच गुरुवार और शनिवार को होने हैं। उसके इस स्टेडियम में प्लेआफ और फाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे। इस बीच, कोलकाता नाइट राइडर्स ने बाकी अन्य मामलों का पता लगाने के लिए अब प्रतिदिन खिलाड़ियों और टीम स्टाफ सदस्यों का कोरोना टेस्ट करने का फैसला किया है। मेडिकल टीम साथ ही उन लोगों पर भी कड़ी निगरानी रख रहा है, जो कि पिछले 48 घंटे के दौरान उनके संपर्क में आए थे। खबरों में कहा गया है कि चक्रवर्ती हाल ही में अपने कंधे का स्कैन कराने के लिए आईपीएल के बायो-बबल से बाहर गए थे, जहां वह किसी के संपर्क में आए होंगे। 2021 सीजन शुरूआत होने के बाद से यह पहला मामला है जब कोई खिलाड़ी बायो बबल में रहने के बावजूद भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। इस बीच, बेंगलोर की टीम ने ट्विटर पर लिखा, केकेआर और आरसीबी के बीच आज खेला जाने वाला मैच बीसीसीआई द्वारा रिशेड्यूल कर दिया गया है। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर की कोविड-19 रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आईपीएल सेफ्टी गाइडलाइन्स को देखते हुए यह फैसला लिया गया। हम वरुण और संदीप के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। बेंगलोर ने इस सीजन में अब तक सात में से पांच मैच जीते हैं और वह 10 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। टीम को हालांकि पिछले तीन मैचों में से दो में हार का सामना करना पड़ा है। पिछले ही मैच में उसे पंजाब किंग्स ने 34 रनों से मात दी थी। दूसरी तरफ, कोलकाता को सात मैचों में अब तक केवल दो ही जीत मिली है। इस सीजन में जब दोनों टीमें पिछले बार एक दूसरे से भिड़ी थी तो विराट कोहली की कप्तानी वाली बेंगलोर ने 38 रनों से जीत दर्ज की थी।

कैंडी टेस्ट : श्रीलंका ने बांग्लादेश को 209 रन से हराया, 1-0 से जीती सीरीज

कैंडी।

बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज प्रवीण जयविक्रमा के पांच विकेटों की बदौलत श्रीलंका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन सोमवार को बांग्लादेश को 209 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीत ली। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। अपना पदार्पण टेस्ट खेल रहे जयविक्रमा ने दूसरी पारी में 86 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने मैच में 178 रन देकर 11 विकेट चटकाए थे। उनके अलावा रमेश मेंडिस ने चार विकेट लिए। श्रीलंका से मिले 437 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 227 रनों पर सिमट गई। मेहमान टीम के लिए मुश्फिकुर रहीम ने सर्वाधिक 40 रन बना।

श्रीलंका की ओर से दिमुक करुणारत्ने ने 118 और लाहिरू थिरिमाने ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली।

लियोनेल मेस्सी के 2 गोल से बार्सीलोना जीता

मैड्रिड । लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेलेंसिया को 3-2 से हराकर ला लीगा फुटबॉल खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखा है। बार्सीलोना की ओर से मेस्सी ने 57वें और 69वें मिनट में गोल दागे जबकि एंटोनी ग्रिजमैन ने 63वें मिनट में गोल किया। वेलेंसिया की ओर से गैब्रिएल पोलिस्ता (50वें मिनट) और कार्लोस सोलर (83वें मिनट) ने गोल किए। इस जीत से बार्सीलोना के 34 मैचों में 74 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सीलोना की टीम अगर अगले सप्ताहांत होने वाले मुकाबले में एटलेटिको को हरा देगी तो मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष पर पहुंच सकती है। अन्य मैचों में विलारीयाल घरेलू मैदान पर गेटाफे को 1-0 से हराकर छठे स्थान पर पहुंच गया है जबकि सातवें स्थान पर मौजूद रीयाल बेटिस को वेलाडोलिड ने 1-1 से बराबरी पर रोका। बार्सीलोना को हराने वाले ग्रेनाडा को हालांकि केडिज के खिलाफ 0-1 से हार झेलनी पड़ी।

ICC Rankings : टी20 में भारत दूसरे स्थान पर, वनडे में लगा झटका

दुबई ।

भारत ने सोमवार को वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 टीम रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है लेकिन एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गया। टी20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड (277 अंक) शीर्ष पर है जबकि भारत उससे 5 रेटिंग अंक पीछे है। इस दौरान इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ की जबकि आस्ट्रेलिया को 2-1 और दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराया। टीम को भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 2-3 से हार झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड को टी20 में वार्षिक अपडेट में फायदा हुआ है और टीम पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने इस दौरान वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराया। ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई है। श्रीलंका और बांग्लादेश एक स्थान के फायदे से क्रमश: आठवें और नौवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की टीम दो स्थान के नुकसान से 10वें पायदान पर हैं। आईसीसी के अनुसार इस अपडेट में 2017-18 के नतीजों को हटा दिया गया है और 2019-20 में खेले गए मैचों की अहमियत को आधा कर दिया गया है। एकदिवसीय टीम रैंकिंग के वार्षिक अपडेट में आस्ट्रेलिया और अब शीर्ष पर पहुंचे न्यूजीलैंड के बाद भारत एक स्थान के नुकसान से तीसरे सथान पर खिसक गया है। न्यूजीलैंड ने शीर्ष स्थान से गत विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हटाया है। न्यूजीलैंड को 2 स्थान का फायदा हुआ है और उसके कुल 121 अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के 118 अंक हैं। भारत और इंग्लैंड दोनों के 115 हैं लेकिन दशमलव अंकों में बेहतर स्थिति के कारण भारत तीसरे स्थान पर है। पिछले 12 महीने में इंग्लैंड को आस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 1-2 से हार झेलनी पड़ी जबकि आयरलैंड ने भी उसे एकदिवसीय मैच में हराया। नए अपडेट में मई 2020 के बाद खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत रखा गया है जबकि पिछले दो साल के मैचों के अंकों को 50 प्रतिशत किया गया है। ऑस्ट्रेलिया दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंचा जबकि भारत को एक स्थान का नुकसान हुआ। वेस्टइंडीज श्रीलंका को पीछे छोड़कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है। नीदरलैंड को पुरानी रैंकिंग पर बरकरार रखा गया है क्योंकि नए रेटिंग समय के दौरान उसने सिर्फ चार एकदिवसीय मैच खेले। इस दौरान कोविड-19 के कारण टीम के मुकाबले स्थगित हो गए। दोनों प्रारूपों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अफगानिस्तान वनडे में 10वें जबकि टी20 में सातवें स्थान पर है। पाकिस्तान क्रमश: छठे और चौथे जबकि दक्षिण अफ्रीका पांचवें और छठे स्थान पर है। महामारी के बावजूद 80 देश रैंकिंग में बने रहने के लिए जरूरी तीन साल में छह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने में सफल रहे।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बड़ा बयान, आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड विमान नहीं

मेलबर्न : क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख निक हॉकले ने सोमवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) समाप्त होने के बाद कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत से आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को स्वदेश लाने के लिये चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करने की अभी उनकी कोई योजना नहीं है। हॉकले ने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हॉकले की यह टिप्पणी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों के इस खतरनाक वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने की खबर से पहले आई थी। इस कारण केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिन्स के केकेआर के साथियों वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर का परीक्षण पॉजिटिव आया है। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाज क्रिस लिन ने हाल में क्रिकेट आस्ट्रेलिया से 30 मई को समाप्त होने वाले आईपीएल के बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करने का आग्रह किया था। हॉकले ने कहा कि अभी चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। हम आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ, खिलाड़ियों और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सब कुछ ठीक है और लोगों को पूरी जानकारी मिल सके। हम खिलाड़ियों के संपर्क में हैं और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। वे बीसीसीआई के बायो बबल में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

तीरंदाज जयंत तालुकदार कोविड-19 से पीड़ित, आईसीयू में भर्ती

गुवाहाटी। शीर्ष भारतीय तीरंदाज जयंत तालुकदार को कोविड -19 सम्बंधी जटिलताओं के बाद यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओलंपिक चैनल के अनुसार तालुकदार, जो 2006 के दोहा और 2010 के ग्वांग्जू एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, का इलाज आईसीयू में किया जा रहा है। 2012 के लंदन ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले तालुकदार आठ शॉर्टलिस्टेड तीरंदाजों में शामिल थे, जिन्होंने मार्च में टोक्यो ओलंपिक के लिए तीरंदाजी टीम का चयन करने के लिए ट्रायल में भाग लिया था लेकिन वह कट नहीं हासिल कर सके। अर्जुन अवार्डी, 35 वर्षीय तालुकदार मेरिडा ने 2006 में आयोजित विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था और 2005 में मैड्रिड में आयोजित पुरुष टीम विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों को लगा झटका, स्पेनिश इंटरनेशनल में नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और सुकांत कदम की पैरालंपिक की तैयारियों को झटका लगा क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते नए पृथकवास नियमों के कारण भारतीय टीम स्पेनिश इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगी। टूर्नामेंट का आयोजन 11 से 16 मई तक होना है लेकिन स्पेन ने भारत से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास लागू किया है जिसके कारण खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा लेना संभव नहीं है। भगत ने कहा, 'दुबई पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद मैं स्पेनिश इंटरनेशनल में हिस्सा लेने को लेकर उत्सुक था क्योंकि यह पैरालंपिक से पहले आखिरी टूर्नामेंट था।' उन्होंने कहा, 'मैं इसका इस्तेमाल तोक्यो में पैरालंपिक की तैयारी के मौके के रूप में करना चाहता था। लेकिन मैं समझ सकता हूं कि ये मुश्किल समय है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे कोविड नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें।' भगत और कदम भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पिछले महीने दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में 4 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी भगत ने हमवतन कुमार नितेश को पुरुष एकल फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने मनोज सरकार

के साथ मिलकर पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। पुरुष एकल में रजत पदक जीतने वाले कदम ने कहा, 'हां, इससे हमारी तैयारियां थोड़ी प्रभावित होंगी क्योंकि हम पैरालंपिक से पहले अधिक प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट खेलना चाहते थे। मैं इस टूर्नामेंट को लेकर विशेष रूप से उत्साहित था क्योंकि यहां स्वर्ण पदक जीतकर मैं रेस टू तोक्यो रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता था। लेकिन हम इस फैसले का सम्मान करते हैं और कड़ी मेहनत करेंगे तथा पैरालंपिक में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

न्यू इन चैस क्लासिक फाइनल - मेगनस कार्लसन नें जीता खिताब

नई दिल्ली (निकलेश जैन)

न्यू इन चैस क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के बेस्ट ऑफ टू फाइनल में विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा को 3-1 और 2-2 के स्कोर से पराजित करते हुए खिताब हासिल कर लिया । पहले दिन बढ़त बना चुके कार्लसन को दूसरे दिन सिर्फ 2 अंको की जरूरत थी और दिन के चार रैपिड मे वह ऐसा करने मे सफल रहे । नवंबर से शुरू हुए मेल्टवाटर शतरंज टूर 2021 के छठे पड़ाव मे पाँच बार चूकने के बाद यह कार्लसन का छह माह मे पहला खिताब है। हालांकि कार्लसन के लिए यह इतना आसान नहीं रहा और दूसरे दिन पहले ही मैच मे यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें उन्हे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए निमजों इंडियन ओपनिंग मे 49 चालों मे मात देकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली । दूसरा मैच ड्रॉ रहा और स्कोर 1.5-0.5 से नाकामुरा के पक्ष मे था, पर तीसरे मैच मे कार्लसन नें काले मोहरो से क्यूजीडी ओपनिंग मे वापसी करते हुए घोड़े और वजीर की सहायता से 39 चालों मे बाजी जीतकर स्कोर 1.5-1.5 कर दिया । आखिरी रैपिड मे कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से सिसिलियन अलापिन ओपनिंग मे पूरे समय नियंत्रण रखा और 43 चालों मे नाकामुरा को ड्रॉ पर विवश होना पड़ा और इसके साथ ही कार्लसन नें खिताब अपने नाम कर लिया ।

कठिन रेस शारीरिक और मानसिक तौर पर थका देती है : हेमिल्टन

पोर्टिमाओ (पुर्तगाल)।

मर्सिडीज टीम के एफ-1 चालक लेविस हेमिल्टन ने कहा है है कि पुर्तगाल ग्रां प्री रेस काफी कठिन थी और जब एक रेस इस तरह कठिन हो जाती है तो वह शारीरिक और मानसिक तौर पर थका देती है। हेमिल्टन ने अपनी ही टीम के वाल्टेरी बोट्टास को पीछे छोड़ते हुए रविवार को रेस अपने नाम की। साथ ही उन्होंने एफ-1 वर्ल्ड टाइटिल स्टैंडिंग में भी अपनी स्थिति मजबूत की। रेस के बाद हेमिल्टन ने कहा, यह काफी कठिन रेस थी। इस तरह की रेस शारीरिक और मानसिक तौर पर थका देती है। चैम्पियनशिप टेबल में हेमिल्टन के 69 अंक हैं और वह रेड बुल के मैक्स वेर्सटापेन (62) से आगे हैं। मैक्स ने इस रेस में सबसे तेज लैप का बोनस भी हासिल किया। अब ये चालक 9 मई को स्पेनिश ग्रां प्री में हिससा लेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड दोबारा शुरू करेगा टी20 लीग, कोरोना के कारण लगाई थी रोक

ढाका ।

कोरोना महामारी के कारण रोकी गई ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2019-20 की 31 मई से दोबारा शुरुआत होगी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को घोषणा करते हुए बताया कि 31 मई से डीपीएल को फिर से शुरू किया जाएगा। इससे पहले बीसीबी ने डीपीएल को छह मई से शुरू करने की बात कही थी, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के कारण इस योजना को बदलना पड़ा था। देश में कोविड-19 के प्रकोप से लड़ने के लिए किए गए उपायों के अनुपालन के लिए डीपीएल को गत वर्ष 19 मार्च को एक दौर के मैच पूरे होने के बाद स्थगित कर दिया गया था। बीसीबी के एक विंग ढाका महानगर क्रिकेट समिति (सीसीडीएम) को ढाका-क्लब आधारित इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के मुताबिक प्रतियोगिता की अब नए तरीके से शुरुआत होगी और सामान्य 50 ओवरों के बजाय अब यह टी-20 प्रारूप में खेली जाएगी। सीसीडीएम के अध्यक्ष काजी इनाम अहमद ने बीसीबी की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा था कि बीसीबी के सहयोग से सीसीडीएम की एक मई से डीपीएल को आयोजित करने की योजना है। जैसा कि पहले तय किया जा चुका है यह एक टी-20 प्रतियोगिता होगी। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और आगामी आईसीसी टी-20 विश्व कप को देखते हुए हमारा मानना है कि टी-20 प्रारूप ही 2019-20 डीपीएल लीग के लिए आदर्श प्रारूप है। इनाम ने कहा था कि बीसीबी अध्यक्ष ने इस मुश्किल समय के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा के महत्व पर एक स्पष्ट निर्देश दिया है। बोड ने इस सीजन दो टूर्नामेंट सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं और बंगलादेश में वेस्ट इंडीज की मेजबानी की है। हम इससे सीखेंगे और इसके अनुसार ही डीपीएल के लिए योजनाएं बनाएंगे। हम जानते हैं कि खिलाड़ियों और

क्लबों के लिए इस लीग का क्या मतलब है और लीग के आयोजन के लिए योजना बनाने के दौरान उनके समर्थन की हम सराहना करते हैं।

श्रीलंकाई आलराउंडर परेरा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

कोलंबो। श्रीलंका के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान थिसारा परेरा ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की सोमवार को घोषणा कर दी। 32 साल के परेरा ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को भेजे एक पत्र में कहा कि उन्हें लगता है कि उनके लिए संन्यास लेने का यह सही समय है ताकि अधिक से अधिक युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम में मौका मिल सके। परेरा ने छह टेस्ट, 166 वनडे और 84 टी20 अंतरराष्ट्रीयमैचों में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया है। परेरा ने कहा, मुझे गर्व है कि मैं सात क्रिकेट विश्व कप में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व कर पाया और बांग्लादेश में भारत के खिलाफ 2014 टी20 विश्व कप में टीम की जीत में योगदान दिया। यह मेरे जीवन का अहम पल रहा। एसएलसी ने भी परेरा को उनके सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी है। एसएलसी के सीईओ एश्ले डिसिल्वा ने कहा, थिसारा शानदार ऑलराउंडर थे, जिन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में श्रीलंका क्रिकेट को काफी योगदान दिया और देश के शानदार क्रिकेट लम्हों में भूमिका निभाई। परेरा आईपीएल में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, किंग्स इलेवन पंजाब और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए भी खेल चुके हैं।

टीवी एक्टर मोहित मलिक बने पिता, पत्नी अदिति ने बेटे को दिया जन्म

कोरोना महामारी के बीच कई नकारात्मक खबरें सुनने को मिल रही हैं। इसी बीच छोटे पर्दे के लोकप्रिय अभिनेता मोहित मलिक के घर में खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, मोहित पापा बन गए हैं। उनकी पत्नी और अभिनेत्री अदिति ने बेटे को जन्म दिया है। मोहित ने खुद यह खुशखबरी सोशल मीडिया पर अपने फैंस को दी है। मोहित ने अदिति का हाथ थामे अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसके बैकड्रॉप में उनका बेटा नजर आ रहा है। उन्होंने लिखा, डियर यूनिवर्स इस आशीर्वाद के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया, शुक्रिया इसके साथ आने वाली हर चीज के लिए। हम इस दुनिया में अपने बच्चे का स्वागत कर दिल से खुश हैं और खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं। वह हमारे साथ है और यह एक जादू जैसा है। हम दो से तीन हो गए हैं। मोहित ने पापा बनने की खुशी जाहिर करते हुए कहा था, सच कहूं तो ये फीलिंग ही अद्भुत है, जब आपको पता चलता है कि आपकी पत्नी के अंदर एक और नन्ही जान है। यह फीलिंग बहुत अलग है, सुंदर है। मेरे और अदिति के परिवारवाले इस बात से बहुत ज्यादा खुश हैं। मेरे माता-पिता मेरे पीछे पड़ते थे कि बच्चे के बारे में क्या सोचा है। अब ये खुशखबरी पाकर वे भी फूले नहीं समा रहे हैं।

एनीमल समेत मेरी सभी आगामी फिल्मों के सब्जेक्ट दमदार हैं

वर्सेटाइल बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा को लगता है कि इस महामारी ने भारत में कंटेंट का लैंडस्केप हमेशा के लिए बदल कर रख दिया है। उनकी राय है कि ऑडियंस केवल नए और ताजातरीन सब्जेक्ट ही देखना चाहती है। दर्शक हर घिसे-पिटे सब्जेक्ट को खारिज कर देंगे। परिणीति का साफ तौर पर कहना है, यह कंटेंट का जमाना है और हर कमजोर कंटेंट को ऑडियंस नकार देगी, क्योंकि आज दुनिया भर में तैयार होने वाले क्लटर-ब्रेकिंग कंटेंट तक उसकी पहुंच हो गई है। हम कलाकारों और फिल्म निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी ही होगी। वह आगे बताती हैं, मैंने दमदार कंटेंट वाले प्रोजेक्ट्स का रुख यह देख कर किया है कि मेरे आसपास का हर व्यक्ति, जिनमें मैं भी शामिल हूं, सिर्फ वही फिल्में या शो देख रहा है, जो लैंडमार्क हैं। तो कोई एवरेज किस्म की चीजें क्यों देखेगा? परी को लगता है कि हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के लिए यह सबसे बड़ा सबक होना चाहिए। वह खुलासा करती हैं कि उन्होंने केवल ऐसी स्क्रिप्ट चुनी हैं, जो बेहद दमदार हैं। इनमें 'एनीमल' भी शामिल है, जिसमें वह रणबीर कपूर के अपोजिट मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उनका सुझाव है, हमारी इंडस्ट्री को इस महामारी से यही सीख और अहसास हासिल करना होगा। लैंडस्केप हमेशा के लिए तब्दील हो चुका है और हमें ब्रेथ-टेकिंग सिनेमा पेश करना होगा। महामारी ने दर्शकों का जायका बदल दिया है और हमें इस बात का पूरा खयाल रखना होगा कि उन्हें क्या चाहिए। अपनी बात को समाप्त करते हुए परिणीति कहती हैं, एनीमल समेत मेरी सभी आगामी फिल्मों के सब्जेक्ट दमदार हैं, और दर्शकों के लिए अनूठे व नए भी हैं। ऑडियंस इन्हें देखेगी और बेहद पसंद करेगी। मैं सिर्फ उन्हीं स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिनमें ऑडियंस को खुशी देने के लिए कोई नया कंटेंट मौजूद हो।

प्रियंका चोपड़ा ने वैश्विक समुदाय से भारत के लिए मदद का अनुरोध किया

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने वैश्विक समुदाय से महामारी का सामना कर रहे भारत की मदद का अनुरोध किया है। अभिनेत्री का कहना है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर से भारत बुरी तरह प्रभावित है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार के आंकड़े के अनुसार देश में एक दिन में सबसे अधिक 3,79,257 नए मामले आये जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,83,76527 हो गयी है। मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किये गये आंकड़े के अनुसार एक दिन में 3,645 लोगों की मौत होने से संक्रमण से अब तक दो लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। भारत के कमजोर स्वास्थ्य ढांचे पर चिंता जताते हुए प्रियंका ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि वैश्विक समुदाय को इस संबंध में ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि ''जब तक एक भी व्यक्ति असुरक्षित है तब तक कोई सुरक्षित नहीं है।'' अदाकारा ने लोगों से अपने संसाधनों के जरिए आगे आकर भारत की मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''मैं आपको बताना चाहती हूं कि हमें क्यों ख्याल रखने की जरूरत है ऐसा इसलिए कि जब तक एक भी व्यक्ति असुरक्षित है तब तक कोई सुरक्षित नहीं है। इसलिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल कीजिए और इस महामारी को रोकने में अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल करें।'' प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि वह लोगों के रोष को समझ सकती हैं और इसका भी हल निकलेगा लेकिन फिलहाल भारत के स्वास्थ्य ढांचे का समर्थन करने और मदद करने का समय है।

अक्षय कुमार की 'बेल बॉटम' हॉटस्टार पर होगी रिलीज, करोड़ों में हुई डील!

कोरोना के बढ़ते प्रकोप के कारण फिल्म इंडस्ट्री पर एक बार फिर ब्रेक लग गया है। सिनेमाघर फिर से बंद होने के कारण कई फिल्म निर्माताओं ने फिर से ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख कर लिया है। अब खबर आ रही है कि बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'बेल बॉटम' भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम 2021 की बड़ी फिल्मों में शुमार है। फैंस लंबे समय से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने का ऐलान करते हुए आने वाले 28 मई की तारीख सुनिश्चित की थी। मगर मौजूदा हालातों के कारण दर्शकों को और इंतजार न कराते हुए फिल्म को ओटीटी पर ही रिलीज करने का फैसला किया गया है। खबरों के मुताबिक, फिल्म को हॉटस्टार पर रिलीज करने की डील लगभग पक्की हो चुकी है। बस अब इंतजार है तो फिल्म के रिलीज डेट का। हॉटस्टार से पहले अमेजन प्राइम के साथ भी कुछ महीनें तक इसकी रिलीज को लेकर बातचीत हुई थी, लेकिन इस बीच हॉटस्टार ने ज्यादा पैसे ऑफर कर दिए जिसके चलते यह फिल्म उनकी झोली में आ गिरी।

हुमा कुरैशी ने शेयर किया अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड'

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी जल्द ही जाने-माने एक्शन निर्देशक जैक स्नायडर की फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से हॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म का ट्रेलर 13 अप्रैल को रिलीज़ हुआ था। ट्रेलर में हुमा कुरैशी की झलक देख, दर्शक हुमा के कैरेक्टर को जानने के लिए काफी उत्सुक थे। अब हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाया है। अपने इस सोलो पोस्टर में हुमा गीता के लुक में काफी दमदार लग रही हैं। यह फिल्म मौजूदा हालात के मद्देनज़र सिनेमाघरों के साथ-साथ नेटफ्लिक्स पर 21 मई को स्ट्रीम की जा रही है। भारत में कोरोनावायरस के बढ़ते प्रकोप की वजह से हालात अच्छे नहीं हैं। इसलिए, हुमा ने अपने किरदार के लुक पोस्टर के साथ एक नोट भी साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि यह उनकी व्यावसायिक मजबूरी है। हुमा ने नोट में लिखा है, मेरे साथी भारतीय कोरोनावायरस पैनडेमिक की वजह से मुश्किलों में हैं। मैं इस दुख में उनके साथ हूं। हालांकि, एक प्रोफेशनल के नाते भारी मन से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए, मैं आप सबके देखने के लिए अपने काम को शेयर कर रही हूं। उन्होंने लिखा, ज़ैक स्नायडर की फ़िल्म आर्मी ऑफ़ द डेड, जिसकी शूटिंग मैंने 2019 में की। चुनिंदा थिएटर्स में 14 मई और नेटफ्लिक्स पर 21 मई को रिलीज़ होगी। हुमा ने अपनी फ़िल्म उन लोगों को डेडिकेट की है, जो इस पैनडेमिक का शिकार हुए हैं और उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। हुमा के साथ इस फिल्म में, डेव ब्यूटिस्टा, एला पुर्नेल, ओमरी हार्डविक और एना डी ला रेगुएरा भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। यह हुमा कुरैशी के पहली हॉलीवुड फिल्म है। आर्मी ऑफ़ द डेड 21 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी।

लड़कियों के मोटापे पर उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए; हर बॉडी टाइप खूबसूरत होता है : अक्षिता मुद्गल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का नए जमाने का रोमांटिक शो 'इश्क पर ज़ोर नहीं' अपने दिलचस्प ड्रामा और अप्रत्याशित मोड़ के साथ दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। इस शो में अहान और इश्की की परवान चढ़ती प्रेम कहानी दिखाई जा रही है, जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया गया है। इसमें महिलाओं को उनकी पसंद से चुनाव करने के अधिकार देने, अपनी मर्जी से करियर चुनने की आजादी और अपनी राय जाहिर करने के अधिकारों का महत्व बताया गया है। इस शो में अक्षिता मुद्गल, इश्की का रोल निभा रही हैं, जो एक साधारण परिवार से है और कड़ी मेहनत में यकीन रखती है। वो आजाद ख्यालों और जिंदादिल स्वभाव की लड़की है। इश्की दुनिया में प्यार को सबसे ऊपर मानती है। इस शो की वर्तमान कहानी में इश्की को उसके वजन के कारण घर के बड़े बुजुर्गों की खरी-खोटी सुननी पड़ती है। ऐसे में अहान उसके पक्ष में खड़ा होता है। एक्ट्रेस अक्षिता मुद्गल मानती हैं कि लड़कियों के मोटापे के कारण उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि हर बॉडी टाइप खूबसूरत होता है। इस बारे में बताते हुए अक्षिता मुद्गल कहती हैं, किसी दूसरे इंसान पर टिप्पणी करना बहुत ही आम और ओछी हरकत है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको ऐसी जगह नहीं रहना चाहिए, जहां दूसरे लोग आपके शरीर को लेकर आपको खराब महसूस कराएं। खास तौर पर तब, जब लोग अपने हुलिए को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं। बॉडी शेमिंग के नतीजे गंभीर होते हैं और इससे मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। तो आइए खुद से और आसपास सभी लोगों से अच्छाव्यवहार करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए।फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

अगर रखेंगे इन बातों का ख्याल रिश्ता हो जाएगा मजबूत

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

शीशों से नहीं छूट रहे दाग- धब्बे तो अपनाएं ये तरीके

घर में लगे कांच का गंदा होना और उन पर दाग- धब्बे पड़ना आम समस्या है। इनको साफ करना बहुत ही मुश्किल होता है। कई बार दाग इनते जिद्दी होते हैं कि सर्फ, शैंपू से साफ करने भी इन पर कोई असर नहीं होता। इन चीजों से कांच साफ करने पर यह धुंधला और गंदा हो जाता है। जो देखने में बहुत ही अजीब सा लगता है। ऐसे में खिड़की, दरवाजों, ड्रैसिंग टेबल और बाथरूम के शिशे की चमक लौटाने के लिए घर में पड़ी कुछ चीजों का उपयोग कर सकते हैं। आज हम आपको मिरर क्लीनिंग प्रॉडेक्टड और इनके सही इस्तेमाल से कांच साफ करने का तरीका बताएंगे। इससे एक बार फिर से चमक उठेंगे।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडे का इस्तेमाल खाना बनाने के अलावा शीशे को साफ करने में भी किया जाता है। कांच को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में मिलाकर स्पोंज या किसी मुलायम कपड़े की सहायता से साफ करें। ऐसा करने से इसके दाग- धब्बे साफ हो जाएगे और कांच चमक उठेगा।

सिरका

कांच को अच्छे से साफ करने के लिए सिरके का उपयोग करें। शिशे की गंदगी साफ करने के लिए सिरके को एक स्प्रे की बोतल में डाल लें। आवश्यकता पड़ने पर कांच पर इससे स्प्रे करें और साफ कपड़े से साफ करें।

अखबार

कांच को साफ करने के लिए अखबार के टुकड़े की बॉल बनाकर पानी में डालकर निकाल लें। अब इसको हल्के हाथों से शीशे पर घुमाएं। आप चाहे तो इसमे विनेगर भी डाल सकते है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से कांच अच्छे से साफ हो जाएगा।

नमक

नमक खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ ही घर की साफ सफाई करने के काम भी आता है। इसका इस्तेमाल करके घर के शीशों को आसानी से साफ किया जा सकता है। नमक से शीशे साफ करने के लिए इसको पानी में डालकर घोल बनाएं। इससे शीशा साफ करें, शीशा चमकने लगेगा। इसके अलावा, कपडे पर लगे कोल्डड्रिंक के दाग आदि को छुड़ाने में भी नमक का प्रयोग किया जाता है।

क्लब सोडा

कांच की गंदगी साफ करना का सबसे आसान और सस्ती चीज है क्लब सोडा। इसका इस्तेमाल करने के लिए क्लब सोडा को एक स्प्रे बोतल में भर लें। कांच में जहां गंदगी दिखें वहीं इसे स्प्रे करें और साफ कॉटन के कपड़े से पोछ लें। इस तरह से कांच साफ करने से चमक उठेगा

ठंडे पानी

शीशे पर पड़े दागों को दूर करने के लिए ठंडा पानी लें। पानी को धीरे- धीरें शिशे पर फेंके। अब इसको नर्म कपड़े की सहायता से आराम से साफ करें। ऐसा करने से कुछ ही समय में दाग मिट जाएगें।

अल्कोहल

शीशे के पुराने और जिद्दी दागों को दूर करने के लिए अल्कोहल का इस्तेमाल करें। एक कपड़े पर अल्कोहल डालकर कांच साफ करें। कुछ ही मिनटों में दाग छूमंतर हो जाएंगे।

नींबू का रस

नींबू के रस से आसानी से घर के गंदे शीशों को साफ किया जा सकता है। नींबू के रस में थोड़ा सा पानी डालकर मिक्स करें। अब एक सूती कपड़ा लें। इसके बाद उस कपड़े धीरे- धीरे शीशे को साफ करें।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है। अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।

पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी

स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।

डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।

फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।

दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।

फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

हर महिला के काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिप्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

किचन टिप्स

बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।

प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।

सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।

मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।

अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।

शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।

अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा। चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा। फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

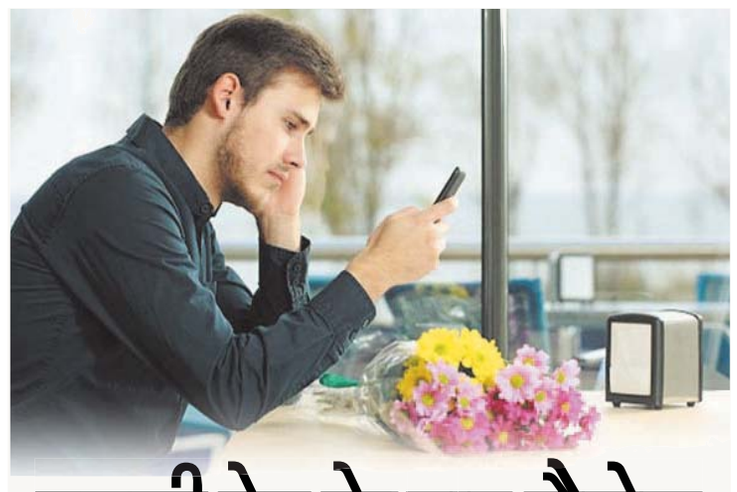

पहली डेट के बाद मैसेज कर रहे है तो न करें ये बात

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए, ताकि लड़की को किसी बात का गुस्सा न लगे। कई बार ऐसा होता है कि लड़के बेवक्त लड़की को मैसेज करने लगते है या फिर ड्रिंक करके मैसेज में कुछ भी बोल देते है, जो लड़की को बिल्कुल भी पसंद नहीं आता है और आपका रिश्ता बनता-बनता टूट जाता है। अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है तो लड़की के साथ मैसेज पर बात करते समय कुछ बातों पर जरूर ध्यान रखें।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

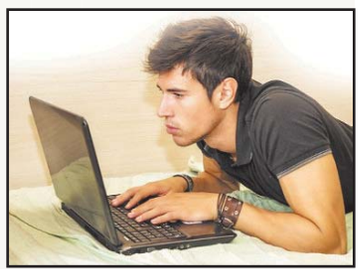

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के प्रिया अस्पताल ने उड़िया समुदाय के सड़कों पर शवों को रखने की अमानवीय कार्रवाई की जांच की मांग की

सुरत महानगर पालिका स्वच्छ अभियन के साथ भष्टाचार मुक्त अभियन ?

अवैध काम BPMC एक्ट की नोटिस और भष्टाचार मुक्त अभियन ?

रेसीडेंन्सी में पूरा डिमोलिशन और इंडस्ट्रीयल में क्या मजाक ?

रेसीडेंन्सी में नही मिला तो ये ले डिमोलिशन पर क्या
(सच्चाई और ईमानदारी का प्रतीक)

इंडस्ट्रीयल में मिला तो ये ले डिमोलिशन पर क्या
(सच्चाई और ईमानदारी का प्रतीक)

{P} public {P} payment {P} power

public :जनता के लिये काम करने वाले सुरत महानगर पालिका

payment : बदले में टैक्स देना अनिवार्य (रसीद) (बिना रसीद)

power : नही तो अधिकारी / कर्मचारीयों का पावरफुल कामकाज

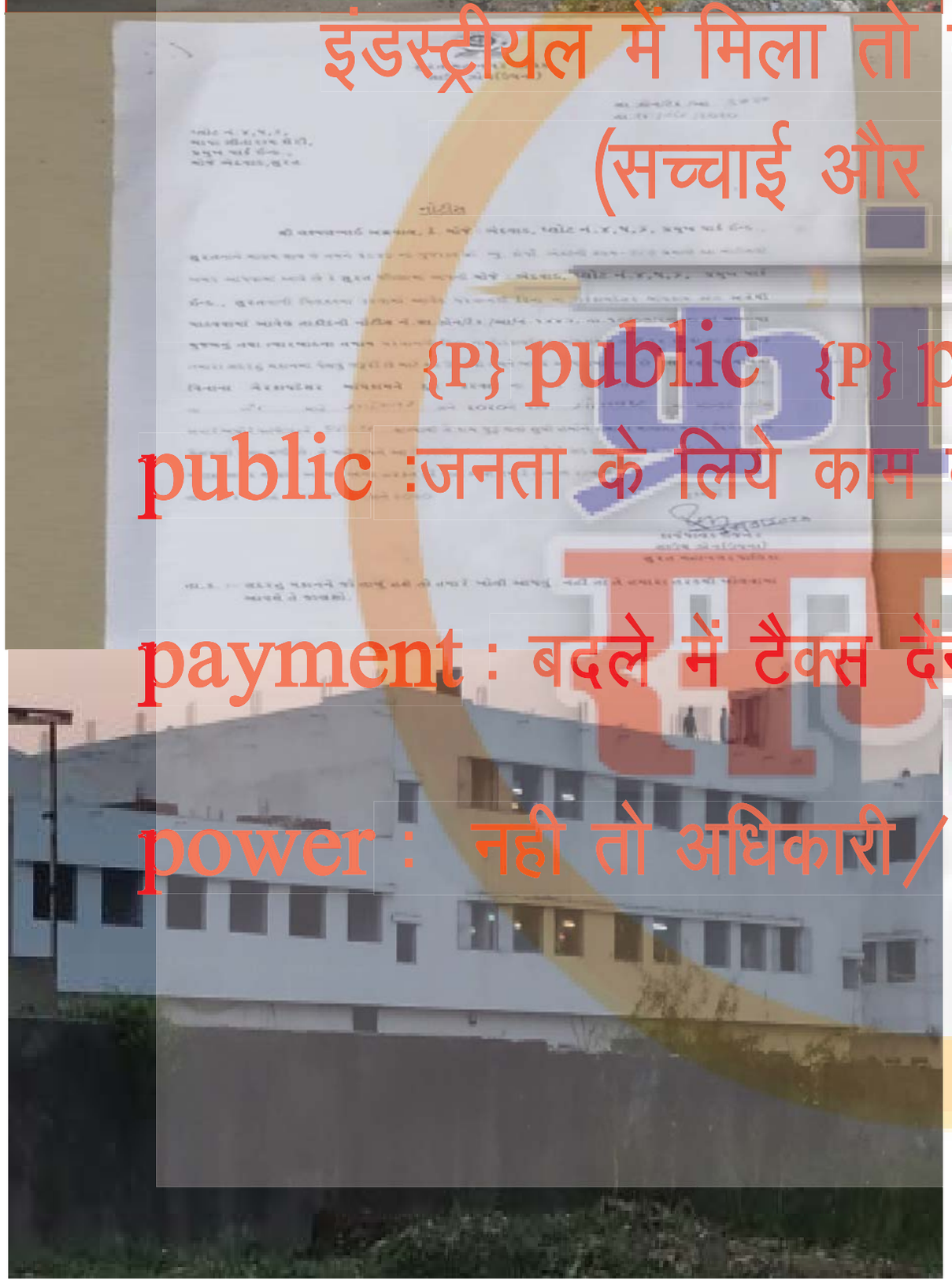

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारतीय वायुसेना जर्मनी से 4 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर दिल्ली आई

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक मालवाहक विमान सोमवार को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से चार खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर आया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि सी-17 विमान राष्ट्रीय राजधानी के निकट हिंडन वायुसैनिक अड्डे पर उतरा। भारतीय वायुसेना के बयान के मुताबिक, 'विमान ने चार खालीक्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर फ्रैंकफर्ट के हान हवाईअड्डे से तीन मई को हिंडन पर उतरने के लिये उड़ान भरी थी।' भारत कोरोनावायरस संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है और कई राज्यों में अस्पताल दवाओं, ऑक्सीजन और बिस्तरों की भीषण कमी का सामना कर रहे हैं। भारत में सोमवार को संक्रमण के 3,68,147 नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,99,25,604 हो गई है।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह की भतीजी जिला पंचायत का चुनाव हारीं

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की भतीजी और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन मैनपुरी की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संध्या यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हार गईं। संध्या यादव ने मैनपुरी जिले के वार्ड नंबर 18 से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और उन्हें समाजवादी पार्टी के प्रमोद यादव ने पराजित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने बताया कि संध्या यादव जिला पंचायत की अध्यक्ष थीं और वह सपा के टिकट पर पिछला चुनाव जीती थीं लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गईं और भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ी लेकिन हार गईं। मैनपुरी से सपा के विधायक राजकुमार उर्फ राजू यादव की पत्नी वंदना यादव वार्ड नंबर 28 से जिला पंचायत सदस्य के लिए किस्मत आजमा रही थीं लेकिन उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी जर्मन यादव ने हरा दिया।

अस्पताल बनाने में सेना की मदद के आग्रह पर दिल्ली सरकार के पत्र का जवाब दे केंद्र : उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री से आप सरकार के आग्रह पर निर्देश प्राप्त करें। आम आदमी पार्टी की सरकार ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया है कि वह सेना के सहयोग से अस्पताल निर्मित करवाएं जिसमें ऑक्सीजन युक्त बिस्तर और आईसीयू बिस्तर हों ताकि कोविड-19 रोगियों का इलाज किया जा सके। साथ ही सरकार ने सिंह से ऑक्सीजन के लिए क्रायोजेनिक टैंकर की आपूर्ति करने का भी आग्रह किया है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ को दिल्ली सरकार के वकील ने सूचना दी कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को रविवार को पत्र लिखकर सेना के सहयोग का आग्रह किया है और इस पर अमल करने में एक-दो दिनों का वक्त लग जाएगा। दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने केंद्र से आग्रह किया कि हम आभारी होंगे यदि सशस्त्र बल कोविड-19 रोगियों के लिए दस हजार बिस्तर वाले अस्पताल का संचालन करें और सशस्त्र बलों से आग्रह किया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए क्रायोजेनिक टैंकर मुहैया कराए जाएं। केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल चेतन शर्मा ने निर्देश प्राप्त करने और अदालत को सूचित करने के लिए समय मांगा।

सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने का सरकार का कदम हास्यास्पद : येचुरी

नयी दिल्ली। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने कोरोना वायरस महामारी के बावजूद सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने की सरकार की योजनाओं को ''हास्यास्पद'' बताया है। येचुरी ने परियोजना के तहत शेष भवनों के लिए केंद्र द्वारा आवश्यक पर्यावरण मंजूरी देने संबंधी रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मंजूरी के समय को लेकर सवाल किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''यह हास्यास्पद है। ऑक्सीजन और टीकों के लिए पैसे नहीं हैं जबकि हमारे भाई और बहन अस्पताल में बेड के लिए इंतजार करते करते दम तोड़ रहे हैं। लेकिन मोदी अपनी दंभी महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए जनता के पैसों की बर्बादी करेंगे। इस अपराध को बंद करिए।'' विपक्षी दल कोरोना वायरस महामारी के दौरान संसद के नए भवन के निर्माण को लेकर सेंट्रल विस्टा परियोजना पर सरकार की आलोचना करते रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में दूसरे सप्ताह भी लॉकडाउन जारी रहने के बीच परियोजना का कार्य जारी रहा, जबकि लॉकडाउन के दौरान अधिकतर निर्माण स्थलों पर कार्य ठप रहा। परियोजना के तहत निर्माण कार्य को ''आवश्यक सेवाओं'' में शामिल किया गया, जिसकी विपक्ष ने आलोचना की है।

महाराष्ट्र के मंत्री ने कहा- अदार पूनावाला धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराएं

लखनऊ। (एजेंसी)।

मुंबई। महाराष्ट्र के एक मंत्री ने सोमवार को कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कथित रूप से जो धमकियां मिली हैं, उनके बारे उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए तथा सरकार उनकी सघन जांच कराएगी। भारत में कोविड-19 टीके की बढ़ती मांग के संबंध में कथित धमकियों से बचने के लिए ब्रिटेन चले गये पूनावाला ने कहा है कि वह कुछ दिनों में लौट आयेंगे। हाल ही में वहां 'द टाईम्स' के साथ साक्षात्कार में पूनावाला ने आरोप लगाया था कि भारत में उन्हें धमकियां मिल रही हैं, ऐसे में वह और उनका परिवार कोविड-19 टीके की मांग को लेकर अप्रत्याशित 'दबाव एवं आक्रामक स्थिति' उत्पन्न होने के बाद देश से चले आये। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ऑक्सफोर्ड/ एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' का उत्पादन कर रहा है। महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई ने संवाददाताओं से कहा, ''पूनावाला को शिकायत दर्ज कराके धमकी का ब्योरा देना चाहिए , उन्हें वह फोन नंबर भी बताना चाहिए जहां से उनके पास ऐसे कॉल आये। हम उनकी गहराई से जांच करायेंगे। '' इस बीच कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने पूनावाला से भारत लौट आने की अपील की और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार लेगी। उन्होंने कहा, '' लोगों की जान महत्वपूर्ण है और टीका उत्पादन भारत में ही होना चाहिए। केंद्र पहले ही उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा दे चुका है। यदि जरूरत हुई तो उन्हें और सुरक्षा मुहैया करायी जाएगी।'' पटोले की पार्टी कांग्रेस महाराष्ट्र में शिवसेना एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर सत्तासीन है। हालांकि राकांपा नेता और महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने दावा कि पूनावाला आज जिस स्थिति में हैं, उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं और कोई उन्हें बदनाम नहीं कर रहा है। मलिक ने कहा, '' पहले, उन्होंने केंद्र सरकार के लिए 150 रूपये, राज्यों के लिए 400 रूपये और निजी अस्पतालों के लिए 700 रूपये (प्रति कोविशील्ड खुराक की) घोषणा की। बाद में उन्होंने ट्वीट करके बताया कि वह राज्यों के लिए दर 400 रूपये से घटाकर 300 रूपये कर रहे है।'' मंत्री ने कहा कि इससे संशय पैदा हुआ और लोगों के दिमाग में ढेर सारे सवाल आये। राकांपा मंत्री और महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेंद्र अव्हाद ने पहले कहा था कि देश को पूनावाला को मिली कथित धमकियों के पीछे का सच जानने की जरूरत है।

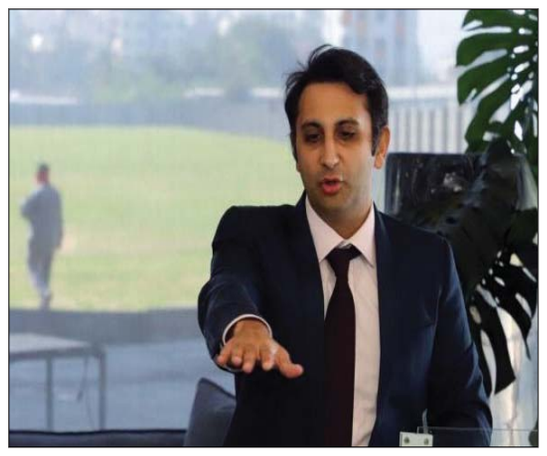

यूपी के सीएम योगी अदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी, कहा-चार दिन में जो करना है कर लो

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी 112 कंट्रोल रूम के वाट्सएप नंबर पर मैसेज कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई। मैसेज मिलते ही अलाधिकारियों ने अलर्ट जारी कर दिया। कंट्रोल रूम मुख्यालय 112 के ऑपरेशन कमांडर अंजुल कुमार की तहरीर पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सर्विलांस समेत पुलिस की कई टीमें संदिग्ध नंबर की पड़ताल करने के साथ ही उसकी लोकेशन ट्रेस करने में लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक बीते 29 अप्रैल को देर शाम 7:58 बजे यूपी पुलिस कंट्रोल रूम 112 के वाट्सएप नंबर पर एक अंजान नंबर से मैसेज आया। मैसेज में सीएम योगी को पांचवे दिन जान से मार देने की धमकी दी गई। मैसेज में धमकी देने वाले ने कहा कि चार दिन के अंदर मेरा जो कुछ कर सकते हो कर लो। मैसेज की जानकारी पुलिस कर्मियों ने कंट्रोल रूम के आपरेशन कमांडर मुख्यालय अंजुल कुमार को दी। अंजुल कुमार ने आलाधिकारियों को बताया। इसके बाद एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने एडीसी सुरक्षा मुख्यालय समेत अन्य जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने आनन फानन अलर्ट जारी किया। इसके बाद आपरेशन कमांडर कंट्रोल रूम अंजुल कुमार की तहरीर पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में धमकी देने वाले नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने नंबर की लोकेशन ट्रेस करने एवं धमकी देने वाले की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस समेत पुलिस की कई टीमें लगा दीं। टीमें आरोपित की तलाश में दबिश दे रही हैं।

पहले भी मिल चुकी है धमकी

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी गई हो। पिछले साल दिसंबर, सितंबर और मई में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी का फोन डायल-112 पर किया गया है।

अखिलेश का तंज, भाजपा ने पूरे प्रदेश को ही पृथक-वास में पहुंचा दिया

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोविड-19 महामारी से पैदा सूरतेहाल पर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरते हुए सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा ने खुद पृथक-वास में रहते-रहते पूरे प्रदेश को ही पृथक-वास में भेज दिया है। अखिलेश ने यहां एक बयान में कहा, उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के हालत सुधर नहीं रहे हैं और रोजाना अस्पतालों से आ रही डरावनी तस्वीरें मुख्यमंत्री के झूठे दावों की पोल खोल रही हैं। भाजपा सरकार को इससे शर्मिंदगी भी नहीं होती है, वस्तुतः सत्तादल ने चार साल में कोई काम तो किया नहीं। उसने खुद आइसोलेशन में रहते रहते पूरे प्रदेश को ही आइसोलेशन में पहुंचा दिया है।

उन्होंने कहा कोरोना की वजह से न जाने कितने घरों का चूल्हा बुझ चुका है। मां-बाप का साया उठ चुका है। पूरे का पूरा परिवार संक्रमित है, मगर कोई देखने वाला नहीं है। अस्पतालों में जिंदा को मुर्दा बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की टीम-9 क्या कर रही है, पता नहीं। सख्ती के आदेश-निर्देश सब कूड़े के ढेर में जा रहे हैं। न कहीं ऑक्सीजन का की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और न कहीं बेड की संख्या बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा सच तो यह है कि लोग कोरोना से ज्यादा भाजपा सरकार की लापरवाही और बदइंतजामी से दम तोड़ रहे हैं। लोगों की इस मौत के लिए भाजपा सरकार नैतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर जिम्मेदार है। घड़ियाली आँसू बहाने से परिवारों को उजाड़ने से बचाया नहीं जा सकता है।

कोरोना के हल्के लक्षण है तो सीटी स्कैन करवाने की जरुरत नहीं, पहले एक्स-रे करवाये : एम्स निदेशक

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस का प्रकोप बहुत ज्यादा बढ़ता जा रहा है ऐसे में लोगों के अंदर काफी डर बैठ गया है। कोरोना इतना घातक हो चुका कि अगर ये बिगड़ गया तो लोगों की सांसे छीन लेता है और अगर शरीर में रहा तो शरीर को खोखला कर देता है। कोरोना के लक्षण होने पर लोग कोरोना टेस्ट करवा रहे हैं लेकिन कई बार रिपोर्ट साफ नहीं आती। कोरोना के कारण काफी दवाब के कारण भी कई बार लोगों को घर पर ही आइसोलेशन में रहने की नसीहत दी जाती है। कोरोना शरीर के लिए कितना घातक है इससे डरे लोग रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी सीटी स्कैन करवा रहे हैं। सीटी स्कैन लोग अब ज्यादा मात्रा में लोग करवा रहे हैं। ऐसे में एम्स के डॉक्टर्स ने सीटी स्कैन को लेकर काफी मिथ साफ किए हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने सोमवार को कहा कि कोविड -19 के हल्के लक्षण वाले सभी लोगों को अनावश्यक सीटी स्कैन के लिए जाने से बचना चाहिए, सीटी स्कैन में कुछ पैच दिखाई देंगे जो बिना किसी उपचार के समाप्त हो जाएंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, रणदीप

गुलेरिया ने कहा, 'ऐसे अध्ययन हुए हैं जो बताते हैं कि लगभग 30-40 प्रतिशत लोग जो आइसोलेशन में हैं लेकिन कोविड सकारात्मक हैं और सीटी स्कैन करवाते हैं, उनके पास पैच भी है। उनसे यह कहना चाहते हैं कि उन्हें परेशान होने की जरुरकत नहीं हैं।

रणदीप गुलेरिया ने कहा आगे कहा कि एक सीटी स्कैन 300-400 छाती के एक्स-रे के बराबर है और इससे बाद के जीवन में, विशेषकर युवाओं में, हानिकारक विकिरण के संपर्क में आने से कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आपको संदेह है, तो पहले छाती का एक्स-रे करवाएँ। यदि आवश्यक हो, तो डॉक्टर उचित सलाह देंगे कि सीटी स्कैन की ज़रूरत है या नहीं।

बायोमार्कर के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिसका उपयोग यह देखने के लिए किया जाता है कि शरीर किसी बीमारी या स्थिति के इलाज के लिए कितनी अच्छी तरह से प्रतिक्रिया करता है। रणदीप गुलेरिया ने कहा, 'यदि कोई हल्के लक्षणों के साथ कोविड सकारात्मक है, तो रक्त परीक्षण, सीपीसी या के लिए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। रक्त के रूप में ये केवल एक आतंक प्रतिक्रिया पैदा करेगा। ये बायोमार्कर तीव्र चरण अभिकारक हैं जो आपके शरीर में सूजन के साथ बढ़ेंगे।'

पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ भयानक हिंसा का खेला, गृह मंत्रालय ने मांगी सीएम से रिपोर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद भड़की हिंसा में 9 लोगों की जान जा चुकी हैं। 2 मई को शुरू हुई हिंसा 3 मई तक भी नहीं रुकी है। लगातार हिंसा का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अब इस मामले पर गृह मंत्रालय ने संज्ञान लिया है और पश्चिम बंगाल सरकार से मामले की रिपोर्ट मांगी है। गृह मंत्रालय ने चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब करने के लिए कहा है।

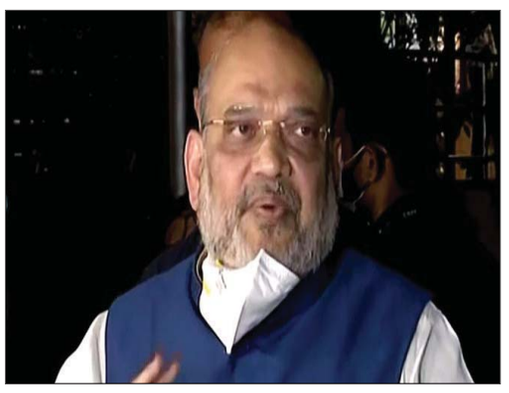

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के दौरान ही पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में रविवार शाम को भी हिंसा भड़की। भारतीय जनता पार्टी के कुछ उम्मीदवारों के घरों और वाहनों पर कथित रूप से हमला किया गया और आरामबाग स्थित एक पार्टी कार्यालय में आग लगा दी गई। नंदीग्राम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने वाले सुवेंदु अधिकारी के वाहन पर भी हमला किया गया। माना जा रहा है कि हिंसा करने वाले टीएमसी के कार्यकर्ता है और वह जिन राज्यों में बीजेपी जीती हैं उसका बदला हिंसा करते ले रहे हैं। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि टीएमसी के कार्यकर्ता बेकाबू हो गये हैं और बीजेपी के कार्यकर्ताओं के घरों को जला रहे हैं। आगजनी की कई वीडियो भी सामने आयी है जिसमें बीजेपी के कार्यलय को जलते हुए देखा जा सकता है। एक आंकड़े के अनुसार पश्चिम बंगाल की हिंसा में 9 लोगों की जान जा चुकी हैं।

टीएमसी नेताओं ने कहा कि उनका किसी हिंसा से कोई लेना-देना नहीं है और लोगों से शांति बनाए रखने और कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया।नटबारी में, भाजपा उम्मीदवार मिहिर गोस्वामी की कार क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने उत्तर बंगाल के नताबारी से मंत्री और वरिष्ठ टीएमसी नेता रवींद्रनाथ घोष को हराकर चुनाव जीता। आरामबाग के एक भाजपा पार्टी कार्यालय में आग लगा दी गई, जहाँ पार्टी के उम्मीदवार मधुसूदन बाग ने टीएमसी के सुजाता मोंडल को लगभग 7,100 मतों से हराया। सिउरी में, एक भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की गई और स्थानीय पार्टी नेता के ट्रैक्टर में आग लगा दी गई।

बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी को पराजित कर बड़ा उलटफेर करने वाले के रूप में उभरे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। (एजेंसी)।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराकर बड़ा उलटफेर करने वाले' के रूप में उभरे हैं, हालांकि उनकी पार्टी को चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अधिकारी ने मतगणना के अंतिम दौर तक चली खींचतान के बाद बनर्जी को 1,900 से अधिक मतों के अंतर से हार का स्वाद चखा दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़ भाजपा में आए अधिकारी की जीत को भगवा पार्टी के लिये केवल मनोबल बढ़ाने वाली जीत के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने 292 सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर विजय प्राप्त की है।

मतगणना के दौरान अनियमितता बरते जाने की जानकारी मिलने के बाद दोबारा मतगणना की मांग करने वाली बनर्जी ने अब कहा है कि वह परिणाम को लेकर अदालत का रुख करेंगी। फिलहाल अधिकारी भाजपा के हलकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। अधिकारी के लिये नंदीग्राम उस समय महज राजनीतिक अखाड़े से अस्तित्व की जंग के मैदान में बदल गया था जब बनर्जी ने अधिकारी और उनके परिवार को मजा चखाने की चुनौती दे डाली थी, जिनका दशकों से इस क्षेत्र पर दबदबा रहा है। इस जीत के साथ ही अधिकारी बंगाल में भाजपा की पहली पंक्ति के नेताओं में शामिल हो गए हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है। पूर्वी मेदिनीपुर जिले का नंदीग्राम इलाका 2007 में रसायन हब के लिये जमीन के बलपूर्वक अधिग्रहण के खिलाफ टीएमसी के नेतृत्व में हुए किसानों के आंदोलन का गवाह रहा है। बनर्जी ने जब भवानीपुर सीट के बजाय इस बार नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो सबकी निगाहें इस सीट पर टिक गईं।

भाजपा ने अधिकारी का गढ़ बचाने और दीदी को घेरने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुपरस्टार मिथुन चक्रवर्ती को प्रचार मैदान में उतारा। अधिकारी ने खुद को नयी पार्टी की विचारधारा और भविष्य की भूमिकाओं में खुद को ढालने के लिये अपनी छवि को भूमि अधिग्रहण आंदोलन के समावेशी नेता से हिंदुत्व ब्रिगेड के सिरमौर के रूप में स्थापित करने की कोशिश की और दावा किया कि यदि टीएमसी चुनाव जीती तो नंदीग्राम मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में आरएसएस की शाखाओं में प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारी ने 1980 में कांग्रेस की छात्र इकाई छात्र परिषद के सदस्य के तौर पर राजनीति में कदम रखा था। हालांकि वह पहली बार 1995 में चुनाव राजनीति में उतरे जब उन्हें कांठी नगरपालिका में पार्षद चुना गया। साल 1999 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद अधिकारी और उनके पिता शिशिर अधिकारी उसमें शामिल हो गए।

इसके बाद उन्होंने 2001 में विधानसभा चुनाव और 2004 में विधानसभा चुनाव लड़े। दोनों में हार का सामना करना पड़ा। 2006 में कांठी से जीतकर वह पहली बार विधानसभा पहुंचे। साल 2007 में नंदीग्राम में टीएमसी के आंदोलन के दौरान वह बड़े नेता बनकर उभरे और जल्द ही उन्हें टीएमसी के कोर समूह का सदस्य और टीएमसी की युवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने 2009 और 2014 में तामलुक लोकसभा सीट से जीत हासिल की। हालांकि, टीएमसी से उनकी अदावत के बीज 2011 में पड़ चुके थे, जब ममता बनर्जी ने टीएमसी के यूथ कांग्रेस के समानांतर ऑल इंडिया

यूथ कांग्रेस का गठन कर ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को इसका अध्यक्ष बना दिया गया। इसके बाद धीरे-धीरे पार्टी में अधिकारी हाशिये पर जाते रहे और नतीजा यह हुआ कि विधानसभा चुनाव से ऐन पहले उन्होंने और उनके परिवार ने टीएमसी का साथ छोड़ भाजपा से हाथ मिला लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)